MPHIN/2021/83938

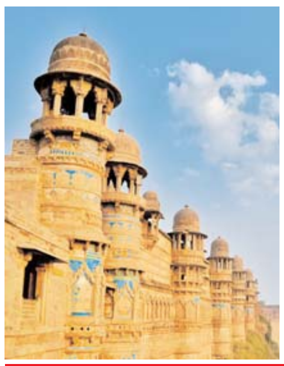

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 160 | ग्वालियर,19 फरवरी सोमवार 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

दुनिया के देशों ने क्यों दिया पहले से निमंत्रण? राष्ट्रीय अधिवेशन में पीएम का दावा- आएगा तो मोदी ही

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीजेपी के राष्ट्रीय अधिवेशन में रविवार (18 फरवरी) को संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं को खास संदेश देते हुए कहा कि हम 2024 में तीसरी बार सरकार बनाएंगे और जनसेवा और राष्ट्र सेवा का इतिहास रचेंगे. दुनियाभर के तमाम देश बीजेपी सरकार की वापसी को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं. दुनिया का हर देश और शक्ति जानती है कि आएगा तो मोदी ही.पीएम मोदी ने अपने संबोधन में पूरे जोर-शोर से इस बात को कहा की दुनिया का हर देश भारत से गहरे संबंध बनाने पर बल दे रहा है. उन्होंने कहा कि अभी तो चुनाव बाकी हैं, लेकिन मेरे पास जुलाई,

अगस्त, सितंबर तक के विभिन्न देशों के निमंत्रण पड़े हैं. इसका मतलब साफ है की दुनिया के विभिन्न देशों को बीजेपी सरकार की वापसी को लेकर पूरा भरोसा है और वो इसको लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हैं.

तीसरा कार्यकाल सत्ता भोग के लिए नहीं मांग रहा-उन्होंने कहा, मैं बीजेपी सरकार का तीसरा कार्यकाल सत्ता भोग के लिए नहीं मांग रहा हूं. मैं राष्ट्र का संकल्प लेकर निकला हुआ व्यक्ति हूं. अगर मैं अपने घर की चिंता करता तो आज करोड़ों गरीबों के घर नहीं बन पाते. मैं देश के करोड़ों बच्चों के भविष्य के लिए जीता हूं. देश के युवाओं, महिलाओं और गरीबों के सपने व संकल्प को मोदी का संकल्प बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह इस संकल्प की पूर्ति के लिए ही दिन-रात एक कर रहे हैं.

पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना ने कांग्रेस पर लगाया कमलनाथ की उपेक्षा का आरोप, कहा- छत्तीसगढ़ भी तो हारे फिर...

कमलनाथ के बीजेपी ज्वाइन करने की चर्चा बीते दो दिनों से फिर तेज हो गई है. अभी कुछ भी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आया है लेकिन कमलनाथ के खेमे के नेताओं और विधायकों के बयान सामने आ रहे हैं. इस बीच पूर्व मंत्री दीपक सक्सेनाने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद कमलनाथ की उपेक्षा की जा रही है और हार का जिम्मेदार केवल उन्हें माना जा रहा है. दीपक सक्सेना ने कमलनाथ को राज्यसभा का टिकट न दिए जाने का मुद्दा भी उठाया है. ने सोचा नहीं होगा कि भूपेश बघेल (छत्तीसगढ़) चुनाव हार जाएंगे. इसकी कल्पना नहीं कर सकते हैं. छत्तीसगढ़ के चुनाव हारे. राजस्थान के भी हारे लेकिन केवल कमलनाथ जी को ही क्यों नकारा कहा जा सकता है. सारा दोष कमलनाथ जी के ऊपर क्यों डाला गया?

कमलनाथ की उपेक्षा से पहुंची ठेस-कमलनाथ को पीसीसी चीफ के पद से हटाए जाने का मुद्दा भी दीपक सक्सेना ने उठाया और कहा कि इससे लोगों को ठेस पहुंची है. सक्सेना ने कहा, उन्हें जिस तरह से पद से हटाया गया और सोनिया जी से बात करके भी राज्यसभा सीट के लिए वंचित किया गया तो उससे लोगों को ठेस पहुंची है. सबलोग जानते हैं कि कमलनाथ जी ने इंदिरा जी के परिवार को, राजीव जी के परिवार को और सोनिया जी को हमेशा अपने परिवार का मुखिया माना और सुख-दुख में साथ दिया. ऐसे में उनकी उपेक्षा करना ठीक नहीं है. विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद कांग्रेस ने कमलनाथ को पीसीसी चीफ के पद से हटाकर जीतू पटवारी को जिम्मेदारी दे दी थी.

अब कमलनाथ के समर्थकों ने किया दिल्ली का रुख, सज्जन वर्मा ने पोस्टर पर लिखा- तेरे राम मेरे राम

बीते दिनों से मध्य प्रदेश की राजनीति में भूचाल मचा हुआ है. प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ के कांग्रेस का साथ छोड़ बीजेपी में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं. दोनों नेता दिल्ली में डेरा जमाए हुए हैं. माना जा रहा है कि उनके साथ कांग्रेस के कई नेता भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो सकते हैं. इस बीच कमलनाथ दिल्ली स्थित अपने आवास पर श्रीराम का झंडा लगा दिया है. इससे संकेत मिल रहे हैं कि वह कांग्रेस का साथ छोड़ वे बीजेपी का हाथ थाम सकते हैं. हालांकि, कमलनाथ और नकुलनाथ ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है. वहीं उनके घर की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है. इसके अलावा, कमलनाथ खेमे के नेता माने जाने वाले सज्जन सिंह वर्मा ने भी सोशल मीडिया एक्स पर भगवान राम के साथ पोस्टर साझा किया है. सज्जन वर्मा ने अपने पोस्टर में लिखा है, तेरे राम मेरे राम, तुझमें भी राम, मुझमें भी राम, जय श्रीराम. इतना ही न हीं, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और उनके पुत्र छिंदवाड़ा के सांसद नकुलनाथ के बीजेपी में शामिल होने की अटकलों के बीच उनके समर्थकों का दिल्ली पहुंचना शुरू हो गया है.

दर्जनभर विधायक टूटने के आसार-एमपी के पूर्व सीएम कमलनाथ के बारे में कहा तो यहां तक जा रहा है कि एक दर्जन से ज्यादा विधायक और महापौर भी दिल्ली पहुंच रहे हैं. पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और उनके पुत्र नकुलनाथ के भाजपा में शामिल होने की चर्चाओं पर दोनों की ओर से अब तक कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं आई है. हां, कमलनाथ ने इतना जरूर कहा है कि जो भी होगा, सबसे पहले मीडिया को ही बताऊंगा.

आगरा किले में मनेगी छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती, लेजर शो से प्रदर्शित होगी पराक्रम की शौर्य गाथा

आगरा के किला से छत्रपति शिवाजी महाराज का बहुत गहरा नाता है. इसलिए शिवाजी महाराज की जयंती पर आगरा किला में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. जिसमें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे , महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस रेल कोयला राज्य मंत्री रावसाहेब दानवे सहित महाराष्ट्र सरकार के अन्य कैबिनेट मंत्री शामिल होंगे . शिवाजी महाराज जयंती कार्यक्रम को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी निमंत्रण भेजा गया है.आगरा किला में शिवाजी महाराज को कैद कर रखा गया था और शिवाजी महाराज के आगरा किला से आजाद होने के बाद महाराष्ट्र पहुंचने के बाद स्वराज की स्थापना कर मुगल शासन के खिलाफ जंग का ऐलान किया था.19 फरवरी को शिवाजी महाराज की जन्म जयंती है. इसके उपलक्ष्य में आगरा किला के दीवाने आम में जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. इस कार्यक्रम को लेकर आयोजन कर रही संस्था के अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि कल एक बड़े स्तर पर छत्रपति शिवाजी महाराज का

जन्मोत्सव कार्यक्रम मनाया जाएगा जिसका आयोजन आगरा किला के अंदर दीवाने आम में किया जाएगा. पिछले वर्ष भी आगरा किला के अंदर दीवाने आम में छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया था. जिसमें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित सरकार के कई मंत्री शामिल हुए थे और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वीडियो कांफ्रेंस के जरिए कार्यक्रम में जुड़े थे.

छत्रपति शिवाजी के जीवन को प्रदर्शित करेगा लेजर शो-छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मोत्सव के कार्यक्रम का आयोजन कर रहे अजिंक देवगिरी प्रतिष्ठान के अध्यक्ष विनोद नारायण पाटिल ने जानकारी देते हुए बताया के छत्रपति शिवाजी महाराज का आगरा किला से बड़ा गहरा नाता रहा है. इस किला में छत्रपति शिवाजी महाराज को नजर कैद किया गया था और इसी किला से आजाद होकर छत्रपति शिवाजी महाराज ने महाराष्ट्र लौटने के बाद स्वराज की स्थापना की और मुगल शासन के खिलाफ बड़ी जंग का ऐलान किया था.छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मोत्सव कार्यक्रम के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को भी निमंत्रण भेजा गया है. यह कार्यक्रम आगरा किला के अंदर दीवाने आम में आयोजित किया जाएगा

सपा का समीकरण बिगाड़ रहे तीन विधायक, हर रणनीतिक हो रही फेल, नहीं निकल रहा कोई समाधान

राज्य सभा चुनाव में बीजेपी ने अपना 8वां प्रत्याशी मैदान में उतार दिया है. वहीं सपा के लिए इस चुनाव में तीसरे प्रत्याशी की जितना मुश्किल साबित हो रहा है. क्योंकि सपा का एक विधायक जेल में बंद है. जिसके चलते राज्यसभा चुनाव में सपा के तीसरे प्रत्याशी के लिए बढ़ रही मुसीबत, राज्यसभा चुनाव में एक सीट पर 37 विधायकों के वोट की जरूरत होती है. लेकिन इस आंकड़े के सपा का समीकरण बिगड़ता नजर आ रहा है.

आंकड़ों की बात की जाए तो जहां भाजपा ने राज्यसभा चुनाव में अपने 8 प्रत्याशी उतार दिए हैं. तो वहीं सपा ने अपने तीन सीटों पर प्रत्याशी तैयार किया है. लेकिन सपा के 108 विधायक इस टेस्ट सीट के समीकरण को खराब कर रहे हैं. दरअसल, एक राज्यसभा प्रत्याशी पर 37

विधायकों की जरूरत होती है. जो इस चुनाव में एक प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करते हैं. वहीं सपा के पास मौजूद 108 विधायक होने से सपा की तीसरी सीट संशय में दिखाई दे रही है. अब सपा को जीत के लिए 111 विधायकों के वोटों की जरूरत है. तब जाकर सपा अपने तीनों प्रत्याशी जीता पाएगी.

सपा को तीन विधायक की जरूरत- सपा के पास कुल 108 विधायक है. उसे अपने तीन सीट के लिए 111 विधायकों की जरूरत है. अब इस आंकड़े में सपा तीन विधायकों से पीछे है. लेकिन सपा कांग्रेस के बीच में गठबंधन की बात बनती है. तो शायद कांग्रेस के अपने दो विधायक देकर सपा की कुछ दिक्कत कम कर सकती है. वहीं पल्लवी पटेल ने साफ कर दिया है कि हो सपा के लिए राज्यसभा में वोट नहीं करेंगी. जिससे सपा अपने तीसरे प्रत्याशी के लिए चिंतित है. वही कानपुर से सपा विधायक इरफान सोलंकी पिछले लंबे समय से जेल में बंद है.

मोदी गारंटी ही विकसित भारत की गारंटी, सीएम योगी का राम मंदिर पर बड़ा बयान

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन शनिवार (17 फरवरी, 2024) से शुरू चुका है. इस बैठक में बीजेपी में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ चुनाव के लिए रोड मैप बनाने वाली है. इस कार्यक्रम के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत अलग-अलग राज्यों से पार्टी के तमाम नेता और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया.राष्ट्रीय अधिवेशन के पहले दिन कार्यक्रम को सीएम योगी आदित्यनाथ ने संबोधित किया. उन्होंने अपने

संबोधन की शुरूआत पीएम मोदी, जेपी नड्डा सहित पार्टी के तमाम नेताओं के सत्कार के साथ की. योगी आदित्यनाथ ने अधिवेशन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विकसित भारत, मोदी के गारंटी से संबंधित जो राजनीति प्रस्ताव बीजेपी के इस राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रस्तुत किया है. इसका अनुमोदम वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किया है.

140 करोड़ आबादी ने नए भारत का दर्शन किया-उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि पिछले दस वर्षों में एक सौ चालीस करोड़ की आबादी ने नए भारत का दर्शन किया है.

गोरखपुर में सॉल्वर गैंग का पर्दाफाश, बिहार से निकला कनेक्शन, रेलवे का स्टेशन मास्टर है मुन्नाभाई

यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा के पहले दिन एसटीएफ की गोरखपुर इकाई ने सॉल्वर गैंग का पर्दाफाश किया. बक्शीपुर के इस्लामिया कॉलेज ऑफ कॉमर्स में पहली पाली की परीक्षा चल रही थी. परीक्षा केंद्र से सॉल्वर और अभ्यर्थी को एसटीएफ ने धर दबोचा. सॉल्वर की पहचान अंजनी कुमार उर्फ मनीष कुमार सिंह के रूप में हुई है.

जगद्गुरु रामभद्राचार्य और गुलजार को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिलने पर सीएम योगी ने दी बधाई

ज्ञानपीठ चयन समिति ने घोषणा की है कि प्रसिद्ध उर्दू कवि गुलजार और संस्कृत विद्वान जगद्गुरु रामभद्राचार्य को 58वें ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है. वहीं गुलजार और जगद्गुरु रामभद्राचार्य को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिलने के एलान पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रतिक्रिया सामने आई है. सीएम योगी ने एक्स पर गुलजार और जगद्गुरु रामभद्राचार्य को बधाई दी है.

सीएम योगी ने एक्स पर लिखा- ÷पूज्य संत, संस्कृत भाषा के प्रकांड विद्वान व आध्यात्मिक गुरु, जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज को प्रतिष्ठित ज्ञानपीठ पुरस्कार-2023 से सम्मानित होने पर हृदयतल से बधाई !आपका तपस्वी और शुचिता पूर्ण जीवन पूरे समाज के लिए एक महान प्रेरणा है.÷ इसके साथ ही सीएम योगी ने लिखा-÷प्रख्यात गीतकार,

कवि व फिल्मकार श्री गुलजार जी को प्रतिष्ठित ज्ञानपीठ पुरस्कार-2023 से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई! लेखन के प्रति समर्पण और साहित्य जगत में आपका अतुल्य योगदान सभी के लिए प्रेरणाप्रद है.÷ज्ञानपीठ चयन समिति ने एक बयान में कहा, ''यह पुरस्कार (2023 के लिए) दो भाषाओं के प्रतिष्ठित लेखकों को देने का निर्णय लिया गया है - संस्कृत साहित्यकार जगद्गुरु रामभद्राचार्य और प्रसिद्ध उर्दू साहित्यकार गुलजार.'' गुलजार के नाम से मशहूर संपूर्ण सिंह कालरा हिंदी सिनेमा में अपने कार्य के लिए पहचाने जाते हैं और वर्तमान समय के बेहतरीन उर्दू कवियों में शुमार हैं. वहीं चित्रकूट में तुलसी पीठ के संस्थापक और प्रमुख रामभद्राचार्य एक प्रसिद्ध हिंदू आध्यात्मिक गुरु, शिक्षक और चार महाकाव्य समेत 240 से अधिक पुस्तकों के लेखक हैं.रामभद्राचार्य रामानंद संप्रदाय के वर्तमान चार जगद्गुरु रामानंदाचार्यों में से एक हैं और 1982 में उन्हें यह उपाधि मिली थी. 22 भाषाओं पर अधिकार रखने वाले रामभद्राचार्य ने संस्कृत, हिंदी, अवधी और मैथिली सहित कई भारतीय भाषाओं में रचनाओं का सृजन किया है. 2015 में उन्हें पद्म विभूषण पुरस्कार मिला. रामभद्राचार्य की वेबसाइट के अनुसार, उनका नाम गिरिधर मिश्र था. दो महीने की उम्र में एक प्रकार के संक्रामक रोग 'ट्रेकोमा' के कारण उनकी आंखों की रोशनी चली गई और शुरुआती वर्षों में उनके दादा ने उन्हें घर पर ही पढ़ाया.

यूपी पुलिस भर्ती की परीक्षा में सेंधमारी की कोशिश नाकाम, अलग-अलग जिलों से 122 सॉल्वर गिरफ्तार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त हिदायत का असर यूपी पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा में दिखाई दे रहा है. प्रदेश के अलग-अलग जिलों से अब तक कुल 122 सॉल्वर की गिरफ्तारी हुई. डीजीपी मुख्यालय की तरफ से बताया गया कार्रवाई का आंकड़ा 15 फरवरी से 17 फरवरी तक का है. शनिवार से शुरू हुई यूपी पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा का समापन रविवार को होगा. एसटीएफ और पुलिस की कार्रवाई 43 जगहों पर हुई.

अलग-अलग जिलों से 122 सॉल्वर की गिरफ्तारी-डीजीपी मुख्यालय के मुताबिक मऊ, कौशांबी, झांसी, गाजीपुर, बलिया, वाराणसी, आगरा, हाथरस, नोएडा, फिरोजाबाद, कानपुर, देवरिया, जौनपुर और बिजनौर से 122 सॉल्वर के यूपी पुलिस आरक्षी भर्ती की परीक्षा में सेंध लगाने का मंसूबा नाकाम कर दिया गया. बता दें कि यूपी पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के लिए 75 जिलों में 2300 से ज्यादा केंद्र बनाए गए हैं. परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा का सख्त पहरा लगाया गया है. अभ्यर्थियों को फेस रिकग्निशन, बायोमैट्रिक वेरिफिकेशन के माध्यम से परीक्षा केंद्रों में जाने दिया जा रहा है. यूपी पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा में भेदनेवालों की पहचान के लिए पुख्ता व्यवस्था की गई है. 48 लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों ने यूपी पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के आवेदन भरे थे. पुलिस विभाग में सबसे बड़ी भर्ती परीक्षा हो रही है.

कलयुग में भागवत की कथा सुनने से जीव को होती है मोक्ष की प्राप्ति-रमाकांत जी महाराज

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह-कलयुग में भागवत की कथा सुनने से जीव को मोक्ष की प्राप्ति होती है।साथ ही जन्म जन्मांतर के पापों का अंत भी होता है।इंसान को भागवत कथा का रसपान अवश्य करना चाहिए।यह बात कथावाचक परम् पूज्य पंडित रमाकांत महाराज जी ने दबोह क्षेत्र के सुप्रसिद्ध सिद्ध धार्मिक स्थल मां रणकौशला देवी मंदिर परिसर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कही।आगे उन्होंने कहा कि राजा बलि के यहां दान मांगने के लिये पधारे ब्राह्मण देवता को देख राजा बलि ने भगवान से कहा जो मांगिये।राजपाट,सोना,चांदी,हीरे मोती,हाथी घो?ा सब आपके लिये न्यौछावर है।राजा बोले हमारे पितर मुक्त हो गए,ब्राह्मण भगवान आपके चरण हमारे घर पर पड़ने से,तब स्वयं ठाकुरजी दान मांगते हुए बोले राजन मुझे आपसे सिर्फ तीन पग जमीन ही चाहिए।यह सुनकर शुक्राचार्य मुनि सोच में पड़े गए।मुनि तुरंत सोचे ब्राह्मण सिर्फ तीन पग जमीन मांग रहे हैं।जिस पर वे अंतर्ध्यान कर भगवान को पहचाना तो साक्षात नारायण रूप राजा बलि के यहां पधारे थे।ऋषि मुनि तुरंत राजा बलि को मना करते हैं कि कोई संकल्प या वचन मत देना।यह ब्राह्मण रूप में स्वयं नारायण अवतार है। राजन यह आपसे तीन पग जमीन, नहीं यह तीनों लोक आप से मांगने आए हैं।राजा बलि बोले मेरा सौभाग्य है कि मेरे घर स्वयं नारायण पधारे हैं। मेरा कीर्ति तो ऐसे ही ऊंचा हो गया जो मुझसे स्वयं नारायण दान लेने आए हैं। मेरा जीवन,मेरा कुल,मेरे पितर सब का पुण्य प्रताप है जो स्वयं ठाकुर जी मेरे घर पधारे हैं और मुझसे दान मांग रहे हैं।इस दुनिया में मुझसे बड़ा दानी और कौन होगा,कहकर राजा बलि स्वयं ठाकुर जी के चरणों में गिर जाते हैं।बलि चरित्र कथा सुन सभी श्रोता भाव-विभोर हो उठे।इस दौरान कथा में कई श्रोतागण मौजूद रहे।आपको बता दें कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 22 जनवरी 2024 को माँ जगतजननी रणकौशला देवी के जन्मोत्सव के चलते श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन मन्दिर परिसर में किया जा रहा है।जिसमे कथा का रसपान कथाव्यास परम् पूज्य पंडित रमाकांत जी महाराज के द्वारा श्रोताओं को कथा का रसपान कराया जा रहा है।वहीं इस बार पारीक्षत बनने का सौभाग्य तहसीलदार अमित दुबे के माता पिता राधामोहन दुबे-श्रीमती रेखा दुबे को प्राप्त हुआ है।चरण सेवक के रूप में अमित दुबे(तहसीलदार)व उनकी पत्नी दिव्या दुबे(उप पुलिस अधीक्षक)को अवसर मिला है।

दबोह पुलिस ने मिट्टी का अवैध उत्खनन करते एक एलएनटी व तीन डम्फर पकड़े

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- शनिवार को दबोह पुलिस ने अवैध मिट्टी के उत्खनन पर कार्रवाई करते हुए क्षेत्र के संसीगढ़ मौजा क्षेत्र से एक एलएनटी मशीन और तीन डंपर जब्त किया है।जानकारी के अनुसार दबोह नगर के पास बायपास का निर्माण किया जा रहा है,जिसके लिए निर्माण एजेन्सी संसीगढ़ मौजा की शासकीय जमीन से अवैध रूप से मिट्टी का उत्खनन कर रही थी।इसकी जानकारी जब स्थानीय निवासी बसपा नेता लाखन सिंह यादव को लगी तो वह कुछ ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे और मिट्टी के उत्खनन का विरोध किया।इसके बाद उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से इसकी शिकायत की।जिसके बाद आनन-फानन में दबोह थाना प्रभारी रविन्द्र सिंह तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।इस दौरान उन्होंने मिट्टी भर रही एलएनटी मशीन और तीन डंपर को जब्त कर लिया।पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही सभी वाहनों के चालक मौके से फरार हो गए।बसपा नेता लाखन सिंह यादव ने बताया कि बगैर परमिशन के मिट्टी खोदी जा रही है,और मिट्टी के ओवरलोड डंपर के कारण पूरी सड़क

खराब हो गई है।

इनका कहना

1-सभी वाहनों के ड्राइवर भाग गए हैं, वाहन ऑटोमैटिक होने के कारण चालू नहीं हो पा रहे हैं।वाहनों की सुरक्षा के लिए पुलिस बल लगाया गया है।

रविन्द्र तोमर
थाना प्रभारी दबोह

चिकित्सालय में हो रही अवैध वसूली को लेकर राष्ट्रीय हिंदू शक्ति संगठन ने सिटी थाना प्रभारी को सौपा ज्ञापन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भिंड जिला अस्पताल में को प्रसूति वार्ड में सामान्य प्रसव के बदले प्रसूताओं के परिजन से अवैध बसूली की जा रही है, जिसमें नर्सिंग स्टाफ प्रसूताओं एवं परिवारजनों को डरा- धमकाकर मुंहमांगी रकम बसूल रहे हैं। शनिवार को रामबाई रायपुरिया ने आशा कार्यकर्ता से मिलकर प्रसव कराने के बदले 2500/- रुपये ले लिये । ऐसे भ्रष्टाचारियों के खिलाफ एफ. आई. आर. दर्ज की जाये क्योंकि तीन माह पहले रामबाई रायपुरिया को पैसे लेने के संबंध में कलेक्टर साहब द्वारा निलंबित किया गया था, लेकिन कुछ दिन बाद उनको बहाल कर दिया गया। उनके हौंसले इतने बढ़ गये कि दुबारा पैसे का लेने का मामला सामने आया है । अगर तत्समय ही एफ आई आर. हो गई होती तो दुबारा रिश्वत लेने जैसी घटना नहीं होती ।राष्ट्रीय हिन्दू शक्ति संगठन युवा प्रदेश अध्यक्ष शुभम पचौरी,रॉकी तोमर, अरविंद शर्मा,धर्मवीर सिंह, सुमित सिंह,नीरज सिंह ने सिटी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण चौहान को ज्ञापन सौपकर जल्द से जल्द भ्रष्टाचारियों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज कर कार्यवाही करने की मांग की। राष्ट्रीय हिन्दू शक्ति संगठन के युवा प्रदेशाध्यक्ष शुभम पचौरी ने प्रशासन को चेतावनी दी कि अगर जिलाचिकित्सालय में भ्रष्टाचार नहीं रोका गया तो संगठन आन्दोलन करने पर विवश होगा । जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी ।

मागड़ी रोड के कर्नाटक पटेल भवन में प्राकृति चिकित्सा शिविर में सैंकड़ो लोग लाभान्वित

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू। श्री राजाराम आँजणा पटेल संघ बेंगलूरू एवं डाक्टर राम मनोहर लोहिया आरोग्य जीवन संस्थान हनुमान गढ के संयुक्त तत्वधान में एक्युप्रेशर, सुजो व मैग्नेटिक तकनीक से इलाज का सात दिवसीय शिविर दिनांक 15 फरवरी से 21 फरवरी तक, कर्नाटक पटेल भवन का चौथा फ्लोर पर चलाया जा रहा है। जिसमें एक्युप्रेशर तकनीक से पुराना से पुराना सिरदर्द, कमर दर्द, साइटिक दर्द, डायबिटीज, थायरॉइड, जोडो का दर्द और अस्थमा (दमा), नाक-कान-आंख का केवल एक सौ रूपए एक बार मे रजिस्ट्रेशन फीस लेकर किया जा रहा है। डाक्टर रूपेश चौधरी ने बताया कि प्रति दिन लगभग 250 से अधिक मरीज लाभ प्राप्त कर रहे है। यह कैंप सुबह आठ से दोपहर बारह बजे तक और शाम को चार से आठ बजे तक चलाया जा रहा है। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष दुर्गाराम करड, सरंक्षक समरथाराम ओड, उपाध्यक्ष कलाराम ओड एवं समस्त आँजणा पटेल बंधु उपस्थित रहे।

प्रो. डॉ. चिमन्नलाल हिंडोलिया ने दिखाई ईमानदारी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

मेहदा पुल के पास सड़क पर पड़े मिले 11 हजार रुपये लहार थाने में कराए जमा

भिण्ड । कांग्रेस नेता व समाजसेवी प्रो. डॉ. चिमन्नलाल हिंडोलिया (भिण्ड- दतिया लोकसभा से कांग्रेस के संभावित उम्मीदवार) भिण्ड से लहार क्षेत्र में जनसंपर्क के लिए अपने वाहन से जा रहे थे,तभी दोपहर लगभग 12 बजे भिंड की तरफ मेंहदा पुल के पास सड़क पर कुछ रुपये बिखरे हुए पड़े दिखे तो उन्होंने अपना वाहन रोककर उतरकर देखा तो वहां 500 - 500 सौ रुपये के नोट डले थे, जिसे उन्होंने अपने ड्राइवर तिलक रजक की मदद से सभी नोटों को एकत्रित किया । डॉ. हिंडोलिया ने उक्त सभी 500- 500 सौ के नोट 11 हजार रुपये (11000) को लहार पहुँचकर थाना लहार में पदस्थ आरक्षक राजेंद्र सिंह दौहरे के पास जमा कर दिये।

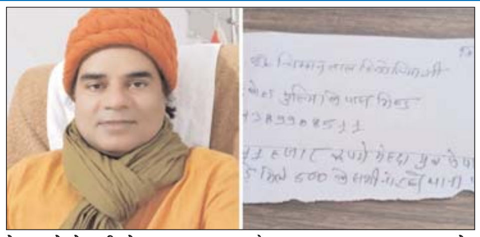

जिसका रथ कृष्ण हांकता है उसके जीवन में सब कुछ होता है

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे
आचार्य पुरुषोत्तम पारीक।

चाचौड़ा महेशपुरा में श्रीमद् भागवत कथा सुनाते हुए श्री पारीक ने कहा कि जब देवकी की शादी का समय आया वसुदेवजी के साथ हुई । विदाई हुई तो कंस का अपनी बहन के प्रति बड़ा प्रेम था । देवकी से परमीशन लेकर सारथी को हटा दिया । देवकी का रथ कंस स्वयं हांक रहा है। देवकी ने भी गलती की ।कंस को लगाम थामादी।ध्यान देना भागवत में दो साले हैं दो ऐसे साले हैं। दो सालों ने अपने जीजाजी का रथ हांका। एक साला है कंस और दूसरा साला है कन्हैया । कंस का जीजा है वासुदेव और कृष्ण का बहनोई है अर्जुन । श्रीकृष्ण की सगी बहन सुभद्रा जी अर्जुन को विवाही गई थी। तो दो सालों ने अपने जीजू का रथ हांका है । श्री कृष्ण रथ हां के तो गाड़ी पर हो गई विजय मिली। जिसका रथ कृष्ण हांकता है उसके जीवन में सब कुछ होता है लक्ष्मी ,विजय ,यश, प्रशंसा, कीर्ति आदि

गांव में चोरी करने आए चोर को ग्रामीणों ने पकड़ा, पुलिस को किया सुपुर्द

पुष्पांजलि टुडे से सतीश परिहार पत्रकार करैरा
9399215234

बैराड़।खबर शिवपुरी जिले के बैराड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम जौराई से है ग्राम जौराई में आज रात एक चोर चोरी करने की मंशा से गांव में घुस आया। जिसको ग्रामीणों की सतर्कता से पड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। जहां बैराड़ थाना पुलिस उक्त चोर को अपने साथ ले गई। जानकारी के अनुसार जौराई गांव के ग्रामीणों ने एक अंजान व्यक्ती को देखा जो चोरी करने की मंशा से गांव में घूम रहा था। जिसको ग्रामीणों ने कड़ी मस्कत के बाद पकड़ा। और इसकी सूचना बैराड़ थाना पुलिस को दी। सूचना पर देर रात मौके पर पहुंची पुलिस ने उक्त चोर से पूछताछ की तो वह अपना नाम अलग अलग बता रहा था। जिसके बाद बैराड़ थाना पुलिस उसको थाने लेकर आई। अब देखना होगा की बैराड़ थाना पुलिस उक्त चोर के खिलाफ़ क्या कार्यवाही करती है।

ग्रामीणों ने बच्चो के लिए विद्यालय में जुटाई सुविधा प्रधानपाठक अंबालिका पटेल अनूठा प्रयास से

ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ
पुष्पांजलि टूडे रायपुर
बेमेतरा जिले की खबर

शाला विकास कार्य योजना को दो सालो में कर दिखाया

जनसहयोग के माध्यम से श्री मती अंबालिका पटेल प्राथमिक शाला साल्हेपुर प्रधान पाठक संकुल खिशोरा, विकास खंड बेरला में पदस्थ सूत्रों के मुताबित इन्होने ने जब 4 फरवरी जीवी2022 में इस शाला में ज्वाइनिंग ली तो उस समय अति जर्जर, अहाता विहीन, पेयजल की समस्या,, जर्जर शौचालय,,,, बिजली की समस्या,,, भौतिक संसाधन की कमी,,,,, के साथ प्रधान पाठक पद पर आसीन होते ही इन्होने गांव को शाला से जोड़ते हुए , पालक, बालक और शाला को जोड़ने का यथक प्रयास से आज धीरे धीरे से अपने नेतृत्त्व क्षमता का परिचय देते हुए सराहनीय कार्य कर शाला विकास कार्य योजना, को सफल बनाने में भारी कामयाबी हासिल कर बच्चो के लिए पेयजल उपलब्ध, शौचालय में नल से पानी,,, जन सहयोग से तार जाली की व्यवस्था, मैदान को समतली करण के साथ कंक्रीट,,,,, किचन गार्डन,,,,, के लिए टंकी और बोर की व्यवस्था,,, इत्यादि कार्य कर बच्चो में ठहराव, गुणवत्ता,, बच्चो, व पालकों को शाला से जोड़ने की कड़ी के रूप में कार्य कर अपने शाला को भयमुक्त , सौन्दर्य कर्ण,,,, बनाने की प्रयास में जुटी हुई है,,,,,, इस उपलब्धि के लिए गांव से श्री प्रकाश गायकवाड़ जी और ग्रामपटैल उत्तम गुप्ता जी साथ ही शाला समिति के सदस्य अध्यक्ष,, शाला के स्टॉप डागेंद्र निषाद सर,,,, प्रदीप ठाकुर सभी का सहयोग भी मिलता रहता हैं प्रधानपाधिका का सपना है साल्हेपुर स्कूल को आदर्श स्कूल बनाना पहले भी सराहनीह कार्य से सम्मान भी मिल चुका है

योग से डायबिटीज का संपूर्ण समाधान :डॉ स्वामी परमार्थ देवजी

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

तिरूवनलूर। आज सुबह का योग शिविर तिरुवनलूर जिला उदकोटेई तालुका तमिलनाडु मैं शुभारंभ हुआ। डॉ स्वामी परमार्थदेव देवजी पतंजलि योगपीठ के मुख्य केंद्र प्रभारी, व स्वामी रितु देवजी जिन्होंने योग करते हुए वहां योग करने से तन मन आत्मा का सुदीकरण होता ही है साथ-साथ में परमात्मा की प्राप्ति होती हैं योग प्रभु मिलन का सबसे उत्तम साधन है। प्रतिदिन स्वयं भी योग करें और दूसरों को भी योग करवा जिससे होंगे साथ में घर परिवार और समाज को भी रोग मुक्त कर सकते हैं। तिरुवनलूर जिले के एक योग साधक का उदाहरण देते हुए कहा की योग करने से डायबिटीज, बीपी डिप्रेशन, कोलाइटिस, हार्ट ब्लॉकेज मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी भयंकर बीमारियों का परमानेंट समाधान योग में है। इस योग शिविर में 250 योग साधकों ने भाग लिया। यह योग शिविर पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी पारसमल, भारत स्वाभिमान राज्य प्रभारी बाल सुब्रमण्यम युवा भारत के राज्य प्रभारी रमेश के मार्गदर्शन में कार्य संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में जिले जिले के पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी राजेंद्र , देवेंद्र, मणिकंदन, मरियम्मा और सीरवी समाज के सदस्यों एवं अन्य योग साधना की उपस्थिति रही ।

गौ ग्रास खिलाकर विद्या सागर जी महाराज को दी श्रद्धांजलि

सिरोंज संत सुधासागर गौशाला में पूज्य आचार्य भगवन 108 विद्यासागर जी महाराज जी के मोक्ष मार्ग पर अग्रसर होने पर निराश्रित पशुओं, गायों को गौ ग्रास खिलाकर श्रद्धांजलि दी इस दौरान बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे

टीम द्वारा खाद्य पदार्थों की जांच जारी, मसाले और डेयरी उत्पादों के लिए सैंपल

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-खाद्य पदार्थों में मिलावट न हो, मिलावटी खाद्य पदार्थ लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं।अभी अभियान चलाकर लगातार राजस्व और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा जांच की जा रही है। होटल, रेस्टोरेंट डेयरी, अलग अलग गोदामों में जाकर दल द्वारा जांच की जा रही है। खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए जा रहे हैं। कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी ने सभी एसडीएम को इस संबंध में निर्देश दिए हैं। तहसीलदार सिद्धार्थ शर्मा ने बताया कि खाद्य पदार्थों की जांच की कार्रवाई में रविवार को भी दल ने जांच की। मंगल मसाला गोदाम गुना बायपास पर हल्दी ,मिर्ची, धनिया, गर्म मसाला के सैंपल लेने की कार्यवाही की गई। आंनद दुग्ध डेयरी पर दूध, दही, घी, पनीर के सैंपल लिए गए। इस कार्यवाही में नायब तहसीलदार शिप्रा उपाध्याय, नायब तहसीलदार शिवम उपाध्याय और फूड सेफ्टी की टीम मौजूद रही।

कोलारस वार्ड क्रमांक 4 में अतिक्रमण कर हाईवे रोड पर बनाया

थोक बजरंग किराना स्टोर प्रशासन ने किया चिन्हित दुकान को व्यापारी को मिला अभयदान फिर प्रशासन ने लाखों की एक्सपायर खाद्य सामग्री की जप्त

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-आधा करोड़ की शासकीय जमीन पर मकान दुकान चला रहा व्यवसाई बजरंग किराना स्टोर प्रशासन की अतिक्रमण मुहिन टीम द्वारा चिन्हित के बाद व्यवसाय चला रहा है व्यापार अतिक्रमणकारी। शिवपुरी जिले के कोलारस में वार्ड क्रमांक 4 बड़े पुल के पास अतिक्रमण महिम मुहिम चलाई गई जिसे प्रशासन के जांच टीम द्वारा चिन्हित कर बनी दुकान प्रशासन द्वारा नोटिस बा कार्यबाई के बाद भी नहीं हटी दुकान व्यवसाई जगदीश हुकुमचंद वीरेंद्र उर्फ डिंपल कुलदीप द्वारा अवैध बजरंग किराना स्टोर दुकान बनाकर चलाई जा रही है जिस पर नगर परिषद तहसीलदार एसडीएम कार्यालय से नोटिस के बाद भी नहीं हटी दुकान दुकान संचालक द्वारा अपने गोदाम में राजश्री बा बिंडल घी मसाला पाउच जैसी बिना प्रिंट की सामग्री घर पर ही बनकर बेची जा रही हैं जिस पर फूड विभाग एसडीएम तहसीलदार पटवारी पुलिस द्वारा सामग्री जप्त की पूर्व में भी इसके द्वारा कई आवैधदनिक धंधे चलाए जा रहे हैं जो की गोदाम में अलग-अलग दुकान लेकर करीब एक दर्जन दुकान है व्यवसाय की नगर में अवैध कामों को चलाने को प्रशासन पर भी दबाव बनाने को वरिष्ठ भाजपा नेताओं द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों पर फोन लगाए गए। किंतु प्रशासनिक अधिकारी जिम्मेदार हैं।

खाद्य सुरक्षा विभाग की मिलावट खोरों पर कार्रवाई निरंतर जारी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के निर्देश पर एवं अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन भिण्ड के निर्देशन में आयुक्त खाद्य सुरक्षा प्रशासन भोपाल द्वारा गठित उड़नदस्ता दल एवं स्थानीय खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा आज रौन, मिहोना एवं लहार स्थित 08 मिल्क मिश्रित सेंटर एवं मिठाई निर्माताओं पर छापा मार कार्रवाई कर नमूने लिए गए। जिसमें गुप्ता डेयरी रौन, प्रो. शीलोत्तम गुप्ता से मावा, दूध, घी, आर.के. डेयरी ग्राम बिरखड़ी तहसील मिहोना से दूध, राजवीर मिल्क सप्लायर ग्राम चाचीपुरा तहसील लहार से दूध, राघवेन्द्र मिल्क सप्लायर तहसील लहार से दूध,भोले बाबा मिल्क चिलिंग सेंटर मछण्ड रोड़ मिहोना से दूध, मनीष मिष्ठान भण्डार लहार से पनीर, गरी लड्डू, बूंदी लड्डू, चॉकलेट बर्फी, मावा बर्फी, जय बालाजी मिष्ठान भण्डार लहार से बेसन लड्डू, मावा बर्फी, मलाई बर्फी, मावा पेड़ा, यादव मिष्ठान भण्डार लहार से मावा पेड़ा, मावा बर्फी, मिल्क केक, बेसन लड्डू का नमूना लेकर कार्रवाई की गई। कार्रवाई दल में वेदप्रकाश चौबे, गोपेश मिश्रा,अशोक कुर्मी, जेपी लववंशी,विनोद धुर्वे,सुभाष खेड़कर एवं स्थानीय भिण्ड के खाद्य सुरक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

दीप शिखा बिड़ला जी –प्रशिक्षु आईपी ओस– शासकीय प्रवास पर पहुँची कोटा

डाक अधीक्षक बिलासपुर संभाग श्री विनय प्रसाद जी एवम सहायक डाक अधीक्षक श्री परमेश्वर कुर्रे जी ने किया स्वागत।

कोटा–बिलासपुर-- भारतीय डाक विभाग की(प्रशिक्षु आईपीओस) दीप शिखा बिड़ला जी दो दिवशीय शासकीय प्रवास पर कोटा पहुँची।

बिलासपुर संभाग के डाक अधीक्षक श्री विनय प्रसाद जी एवम सहायक डाक अधीक्षक श्री परमेश्वर कुर्रे जी (पेंड्रारोड़ उपसंभाग) ने कोटा रेस्ट हाउस उमानंद भवन कोरी डेम में मेडम का स्वागत/सम्मान किया।निखिल गोपाल जी शिकायत निरीक्षक डाकघर बिलासपुर,एवम एन एस मार्को और चित्रनाथ चंद्रा डाक अधि दर्शक पेंड्रारोड़, उपस्थित रहे,कोटा के प्रशांत गुप्ता ने करगी रोड डाकघर की तरफ से प्रशिक्षु (आईपीओस) दीपशिखा बिड़ला जी का स्वागत किया एवम सौजन्य मुलाकात किया।मैडम ने शासकीय प्रवास में अधिकारियों से भेंट मुलाकात कर शासकीय काम काज का जायजा लिया एवम काम काज में कसावट लाने के लिए उचित निर्देश दिए, साथ ही अचानकमार भी गई। इसके बाद 17/02/24 को रायपुर कार्यालय मुख्य पोस्टमास्टर जरनल छत्तीसगढ़ परिमण्डल के लिए रवाना हुई।यँहा के अधिकारियों के ब्यौहार एवम कार्य से मैडम ने संतुष्टि जाहिर की और तारीफ भी की।

क्षत्रपति शिवाजी महाराज की 395 वीं जयंती का किया गया आयोजन

मीरजापुर। आज दिनांक 18.02.2024 को सतीधाम रायपुरी , चुनार, मीरजापुर के पंचायत भवन पर छत्रपति शिवाजी महाराज की 395 वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के अध्यक्ष अमरनाथ सिंह, मुख्य अतिथि चौधरी शिवानी सिंह पटेल, विशिष्ट अतिथि प्रो0 रणजीत सिंह, मुख्य वक्ता जनार्दन पाटिल, डा0 ओ0पी0 सिंह द्वारा दीप प्रज्जवल एवं शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। स्वागत भाषण ई0 राज बहादुर सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रिय महासभा एवं प्रदेश प्रभारी आयोजन समिति द्वारा स्वागत भाषण के माध्यम से सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा चुनार के इतिहास पर चर्चा किये, उसके उपरांत शिवाजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का वर्णन किया। उसके उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा शिवानी ने कहा कि वे छत्रपति शिवा जी महाराज के बारे जो भी कहूंगी वह उनके व्यक्तित्व के बारे में कम ही रहेगा तथा प्रो0 चन्द्रभान सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम के द्वारा समाज को शिवाजी के बारे में जागरूकता उत्पन्न होती है। सोनाली एवं प्रिया ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। नगपत्ती देवी ने शिवाजी के वन में रहने पर कवि भूषण द्वारा रचित कविता का वर्णन किया। प्रो0 रणजीत सिंह ने भी उनके व्यक्तित्व के बारे में कहा। मुख्य वक्ता जनार्दन पाटिल ने सर्वप्रथम शिवाजी का जयघोष करते हुए आगरा में हुए शिवाजी के साथ हुए धोखा एवं शिवाजी के राज्याभिषेक एवं कहा कि शिवाजी की जयंती उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में मनाये जाने के उद्देश्य से यहां आया हूं एवं शिवाजी के 400वीं जयंती पर रथयात्रा कार्यक्रम आयोजन करने की चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अमरनाथ सिंह ने शिवाजी के विभिन्न युद्ध के बारे में बतायें आभार डा0 ओ0पी0 सिंह ने व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता मुकेश सिंह पटेल ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में धनंजय सिंह , अनुज सिंह एवं आशीष सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा और उनको शिवाजी के राज्याभिषेक का चित्र एवं अंगवस्त्र से सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रामबली सिंह, डा0 राम आसरे सिंह, प्रहलाद सिंह, गुरुदेव सिंह, डा0 चन्द्र शेखर सिंह, रमाकांत सिंह , जिलाजीत सिंह, मंजू सिंह एवं समस्त ग्रामवासी आदि उपस्थित रहे

यदि संस्कारी बहू चाहिए तो बेटी को मन लगाकर पढ़ाओ

दैनिक पुष्पाजलि टुडे

गोहद– गोहद नगर के वार्ड क्रमांक 16 बसरा गांव में कालका माता मंदिर पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें कथा व्यास पंडित संतोष शास्त्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा की पति पत्नी का दिल मिल जाए तो बड़ी से बड़ी विपत्ति हल हो जाती है यदि दोनों के दिल ना नहीं मिले तो बहुत बड़ी समस्या खड़ी हो जाती है पत्नी पति की छाया होती है वहीं पति को भी पत्नी की रक्षा करना चाहिए।एवं पत्नी को भी पति की बात मानना आवश्यक है।जिस प्रकार राजा दक्ष के यहां सभा में भगवान शंकर जी को आमंत्रित नहीं किया गया था। लेकिन माता सती अकेली ही पिता राजा दक्ष के यहां चली गई थी।जिसके कारण उनको सभी का दंभ सहन करना पड़ा।पति पत्नी की चार (की)चाबी है। विश्वास, बातचीत,समय देना, मधुर संबंध यह चार की जिसके पास हैं। उनको कभी समस्या नहीं होगी। वही बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा देते हुए कथा व्यास पंडित संतोष शास्त्री ने व्यास गद्दी से कहा की हर कोई इंसान बहू तो अच्छी चाहता है लेकिन बेटी को नहीं पड़ाना चाहता। इसलिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा अपनाते हुए बेटी को इतना सक्षम कर दो कि वह ससुराल को भी अपना घर समझ के उसको भी चहकाती रहे ।बेटियों के लिए सुकन्या समृद्धि योजना भी चल रही है ।उसका भी उपयोग करके बच्चियों को सुदृढ़ और मजबूत बनाएं। वहीं उन्होंने कहा की हमेशा संतोष मय जीवन जीना चाहिए लोगों में अब शांति नहीं रही पहली रोटी गाय की होती थी जिसे जल्दबाजी में महिलाएं पुरुषों को खिला देती हैं जिससे पुरुष गाय जैसे बन जाते हैं एवं अंत की रोटी कुत्ते की होती थी जिसे महिलाएं खाती हैं तो वह कुत्तिया बन जाती हैं उनका वर्ताव कैसा होगा। इसलिए गाय की रोटी गाय को कुत्ते की रोटी कुत्ते को ही खिलाना चाहिए।रोटी के चार भाग होना चाहिए जिसमें पहली रोटी गाय को दूसरी रोटी अतिथि को तीसरी रोटी स्वयं को, अंतिम रोटी कुत्ते को होना चाहिए।इसी के साथ कथा में ध्रुव चरित्र का भी वर्णन किया गया।

खनेता नाम में शुरू हुआ सत्संग समारोह, रासलीला का किया गया मंचन

गोहद।साकेत वासी संत शिरोमणि श्री विजयराम दास महाराज की 26 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 18 से 22 फरवरी तक होने जा रहे विशाल आध्यात्मिक समारोह की शुरुआत हो चुकी है।

दैनिक पुष्पाजलि टुडे

राम भूषण दास जी महाराज ने बताया कि संत शिरोमणि श्री विजयराम दास जी महाराज की पावन तीर्थ भूमि में उनकी 26 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर खनेता गांव में विशाल सनातन धर्म सम्मेलन का आयोजन 18 से 22 फरवरी तक सुबह 10 से दोपहर 2 तक किया गया । इसमें हरी धाम के पीठाधीश्वर जगत गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य जी महाराज प्रवचन दे रहे हैं। इस दौरान दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक रासलीला का मंचन किया गया।कार्यक्रम मंदिर परिसर में ही आयोजित किया जा रहा है। रविवार सुबह 10 बजे से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। श्रद्धालुओं के लिए रुकने की व्यवस्था भी मंदिर परिसर में एवं ग्रामीणों द्वारा की गई है।यह कार्यक्रम निरंतर हर वर्ष आयोजित किया जाता है।खनेता नाम से ही सनातन धर्म सम्मेलन की शुरुआत हुई थी

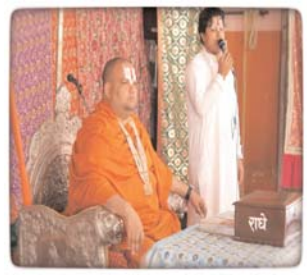

भक्तों को हमेशा दया मांगते रहना चाहिए दयालु को हमेशा निहारते रहना चाहिए

जयगुरुदेव नाम का, गुरु का ऐसा रंग चढ़ाओ कि लोग कहे ÷सूर श्याम काली कमली पर चढ़े न दूजो रंग

उज्जैन (म.प्र.)जिनके माध्यम से प्रभु इस समय अपनी दया लुटा रहा है, ऐसे इस समय के युगपुरुष, पूरे समरथ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने 11 नवम्बर 2023 सांय उज्जैन में दिए व अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि भक्तों को हमेशा दया मांगते, दया के घाट पर बैठते, दयालु को हमेशा निहारते, उनको देखते रहना चाहिए। कहा गया ÷पड़ा रहे दरबार में, धक्का धनी का खाय। कभी तो गरीब नवाजही, जो दर छाड़ न जाय।।÷ दर यानी स्थान, जगह। आदमी जगह पर अगर पड़ा रहे तो कभी न कभी उस (प्रभु) को दया आ ही जाती है। देखो भिखारी दरवाजे पर आवाज लगाता है लेकिन न देने वाले जल्दी घर से बाहर ही नहीं निकलते हैं। लेकिन जब बैठ जाता है, रट लगाता रहता है ÷दे दे माई, कुछ दे दे, एक टुकड़ा दे दे÷ तो माई दे ही देती है। मतलब ये है कि जब घाट पर, दरवाजे पर बैठते रहेंगे तब उस मालिक की दया हो जाएगी। सीधे दया तो दे नहीं सकता, किसी न किसी को इस दुनिया संसार में भेजता है। वो कभी नहीं आया। जो कुल मालिक, असला मालिक हैं, जो दुनिया बनाने वाले का भी मालिक है, अंड पिंड ब्रह्मांड सब का मालिक है, वो कभी यहां नहीं आता है। इससे नीचे के लोक के लोग भी नहीं आते हैं, यहां मनुष्य शरीर में जन्म नहीं लेते हैं क्योंकि ये दुखों का संसार है, ये मृत्यु लोक है। यहां जन्मना और मरना पड़ता है तो वो खुद तो नहीं आते हैं लेकिन किसी न किसी अपने अंश को, अपनी शक्ति को इस धरती पर भेजा करते हैं तो उनको मान्यता मिल जाती है। जिनको मान्यता मिल जाती है, उन्ही के पास (जीव) आता-जाता रहे, उन्ही के चरणों में लगा रहे तो भी उस प्रभु की दया उनके माध्यम से हो जाती है। इसीलिए समाज में देखो अलग-अलग स्थान है। विद्वानों, जज, मजिस्ट्रेट, व्यापारियों, किसानों का, पंच, प्रधान, सरपंच, घर के मुखिया, मां-बाप आदि सबका स्थान इस

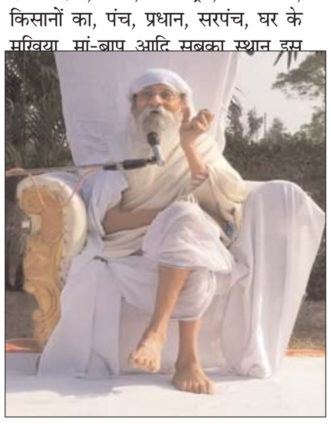

समाज में है। ऐसे ही अलग-अलग स्थान, अलग-अलग लोगों का है। तो इस धरती पर इस समाज में हमेशा सन्त के रूप में रहा करते हैं। वो प्रभु अपनी ताकत को सन्तों में दिया करता है, सन्तों के माध्यम से मिला करता है इसीलिए तो कहा गया है ÷सत पुरुष की आरसी, सन्तन की ही देह। लखना चाहो अलख को, तो इन्ही में लख लेय।।÷ जो प्रभु इन बाहरी आंखों से नहीं देखा जा सकता है, उसको अगर देखना चाहो तो सन्तों में देखो, वो रास्ता बता देंगे और तुमको इसी मनुष्य शरीर में ही उस प्रभु का दर्शन होने लग जाएगा तो कहने का मतलब ये है कि बराबर दया मांगते रहना चाहिए।

जयगुरुदेव नाम का, गुरु का ऐसा रंग चढ़ाओ कि लोग कहे ÷सूर श्याम काली कमली पर चढ़े न दूजो रंग÷

वक्त के जगाया नाम, जागृत नाम को भी बोलते रहने पर कर्म कटते है, वो भी हल्के फुल्के कर्मो की सफाई करता है, इसलिए बराबर बोलते रहना चाहिए। इसको भी जो नहीं बोलने देता है, जो इसको नहीं बोल पाते है, जिनका मन नहीं कहता है बोलने का, आप को समझ लेना चाहिए की आपका मन इस शरीर से सही काम नहीं करवा रहा है, मन पापी हो गया। ये पुण्य की तरफ नहीं ब?ने देता है। इसलिए मन को मारने की जरूरत है। मन नहीं कहता है कि जयगुरुदेव नाम की ध्वनि बोलो, जयगुरुदेव नाम बोलो तो जरूर बोलो तभी वो दबेगा। लड़का बार-बार कोई चीज मांगता, कहता रहता है। जब तक उसको डांटोगे नहीं, और देते रहोगे तो वो और ज्यादा मांगता रहेगा, खा करके पेट खराब कर लेगा, पैसा देते रहोगे, बिगड़ जायेगा, गलत आदत बन जायेगी इसलिए डांटना भी जरूरी होता है। ऐसे मन को दबाना भी जरूरी होता है। मन न कहे जयगुरुदेव नाम बोलने के लिए तो मन से कहो, तू कहे चाहे न कहे, मुझे तो जयगुरुदेव नाम बोलते ही रहना है। और इस तरह से बोलो की बोलने की आदत ही बन जाए, हर जगह बोलने की आदत बन जाए। जयगुरुदेव नाम से ही मशहूर हो जाओ आप खुद, लोग आपको जयगुरुदेव ही कहने लग जाए, ऐसा ही रंग चढ़ाओ। जयगुरुदेव नाम का, गुरु का ऐसा रंग चढ़ाओ की लोग कहे ÷सूर श्याम काली कमली पर चढ़े न दूजो रंग÷ कहते है ये पक्का है पक्का, ये जो डिगेगा नहीं, कितना कुछ कहोगे, ये जो उसूल का पक्का है पक्का ही रहेगा, तो सब झुक जाते है। अच्छाई की तरफ सब झुक जाते है, सब सरेंडर कर देते है। नहीं तो ये काल के जीव है, ये भक्ति को अपनी तरफ मोड़ते है, हमेशा यही कारण रहा है ÷ जगत भगत सो बैर है, चारो युग परमान। पलटू नाहक भूकता साध देखकर श्वान÷

एडवोकेट शिवानी जैन विधिक सलाहकार बनने पर बहुत–बहुत बधाई और शुभकामनाएं

अनंत ब्राह्मण न्यूज़ ब्यूरो द्वारा एडवोकेट शिवानी जैन को विधिक सलाहकार पद पर नियुक्त किया गया है। अनंत ब्राह्मण न्यूज़ ब्यूरो के आदरणीय श्री संजय पांडे जी संपादक महोदय एवं सम्मानित पदाधिकारीयों द्वारा एडवोकेट शिवानी जैन को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की है।उन्होंने आशा व्यक्त की निष्ठा पूर्वक कार्य करते हुए हमारा सहयोग प्रदान करेंगी।आपकी दूरदर्शिता एवं नेतृत्व हम सभी को प्रेरणा देगा।जय भोले सेवा समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय महामंडलेश्वर वीरेंद्र जी महाराजने बधाई देते हुए कहा कि आपको सफलता के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।मां सरस्वती शिक्षा समिति के प्रबंधक डॉ एच सी विपिन कुमार जैन ने एडवोकेट शिवानी जैन को बधाई देते हुए कहा कि आपकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि आप स्वयं बनना और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना आपको शीर्ष तक ले जा सकता है।थिंक मानवाधिकार संगठन एडवाइजरी बोर्ड मेंबर डॉ कंचन जैन ने कहा किआखिर आपकी मेहनत रंग लाई, आपको सफलता पर ढेर सारी बधाई और नई जिम्मेदारी, नई चुनौतियों के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।शार्क फाउंडेशन की तहसील प्रभारी डॉ एच सी अंजू लता जैन, संरक्षक आलोक मित्तल एडवोकेट, ज्ञानेंद्र चौधरी एडवोकेट, निर्देशक डॉक्टर नरेंद्र चौधरी आदि ने भी बहुत-बहुत बधाई देते हुए कहा कि आपकी दृढ़ता और आपकी क्षमता में आपके विश्वास ने आपकी सफलता कीओर अग्रसर किया है। आपको बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

संपादकीय

चंदे के धंधे पर नकेल

देश की सर्वोच्च अदालत ने गुरुवार को दिये अपने महत्वपूर्ण फैसले में चुनावी चंदे में पारदर्शिता लाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। शीर्ष अदालत ने राजनीतिक दलों के लिये चंदा मुहैया कराने वाले इलेक्टोरल बॉन्ड को असंवैधानिक बताते हुए रद्द करने का फैसला सुनाया है। लोकतांत्रिक अधिकारों के संरक्षक के दायित्व को निभाते हुए कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड के तहत मिली राशि को गोपनीय रखने को सूचना के अधिकार कानून का उल्लंघन बताया। शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ इस बात से चिंतित थे कि यदि राजनीतिक दल इसी तरह कंपनियों से गुपचुप चंदा लेते रहे तो कालांतर दान देने वाले कारोबारियों की अनुचित लाभ जुटाने की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा मिल सकता है। मुख्य न्यायाधीश का मानना था कि चुनावी प्रक्रिया में काले धन पर काबू पाने के अन्य विकल्पों पर विचार किया जाना चाहिए इलेक्टोरल बॉन्ड इसका अंतिम उपाय नहीं हो सकता। शीर्ष अदालत के इस फैसले का लोकतंत्र संरक्षण से जुड़ी संस्थाएं स्वागत कर रही हैं और इस फैसले को ऐतिहासिक बता रही हैं। अदालत के फैसले की महत्वपूर्ण बात यह भी कि बैंकों को राजनीतिक दलों को इलेक्टोरल बॉन्ड के तहत मिली राशि की जानकारी देने के भी निर्देश दिए गए हैं। अदालत ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को निर्देश दिया कि वह चुनाव आयोग को चंदे से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराये। महत्वपूर्ण यह भी कि चुनाव आयोग इस ब्योरे को 31 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर आम लोगों के लिये जानकारी के लिये सार्वजनिक करेगा। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय बेंच ने सर्वसम्मति से यह फैसला सुनाया। बेंच में मुख्य न्यायाधीश के अलावा न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति जेबी पार्डीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्र शामिल थे। राजनीतिक पंडित व कानूनी विशेषज्ञ मान रहे हैं कि इस फैसले से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने में मदद मिलेगी। जिसके भारतीय लोकतंत्र पर दीर्घकालीन सकारात्मक प्रभाव होंगे। दरअसल, राजनीतिक दलों को बॉन्ड स्कीम के तहत चंदा मिलने को लेकर देश में लंबे समय से सवाल उठाये जाते रहे हैं। वजह थी कि किस दल को किस व्यक्ति से चंदा मिला है, सार्वजनिक नहीं होता था। यह भी पता नहीं चलता किस व्यक्ति ने बॉन्ड खरीदे हैं और कितने रुपये के बॉन्ड खरीदे हैं। आमतौर पर सत्तारूढ़ दल को इस चंदे का ज्यादा लाभ मिलता रहा है। यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने इसे असंवैधानिक कहा और इसे सूचना के अधिकार का अतिक्रमण बताया। साथ ही चिंता यह भी थी कि कहीं बड़ी कंपनियां गुपचुप तरीके से मोटा चंदा देकर कालांतर सरकारों के फैसले को प्रभावित करने के खेल में न लग जाएं। साथ ही अनुचित कार्यों के लिये लाभ उठाने के लिये दबाव बनाएं। राजनीतिक दल यह भी आरोप लगाते रहे हैं कि बैंकों के पास इस बॉन्ड के लेन–देन की पर्याप्त जानकारी होती है, जिसका उपयोग सरकार अपने हित और राजनीतिक लक्ष्यों की पूर्ति के लिये कर सकती है। लोकतांत्रिक अधिकारों के लिये संघर्ष करने वाले संगठन इस फैसले को कॉर्पोरेट जगत की चंदा देने की सीमा निर्धारित करने वाला बता रहे हैं। जिससे बड़े पूंजीपतियों की चुनावी प्रक्रिया में दखल पर अंकुश लग सकेगा। सूचना अधिकार समर्थक भी इसे अपनी बड़ी जीत बता रहे हैं। जानकार बता रहे हैं कि कोर्ट के इस फैसले का आसन्न आम चुनावों पर खासा असर पड़ सकता है। बहरहाल, इस फैसले के आलोक में इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि अन्य स्रोतों से राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे की निगरानी कैसे हो सकती है। सरकार कह सकती है कि इस रोक से देश की चुनावी प्रक्रिया में कालेधन को बढ़ावा मिल सकता है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने इस योजना की घोषणा वर्ष 2017 में की थी और जनवरी 2018 में इसे लागू भी कर दिया था। इसके अंतर्गत एक हजार से लेकर एक करोड़ मूल्य तक के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे जा सकते थे। विपक्षी दल इस योजना का ज्यादा लाभ सत्तारूढ़ दलों को होने की बात कहते रहे हैं।

चुनावों के लिए सरकारी वित्तपोषण पर बहस फिर से शुरू करने का समय

के रवीन्द्रन

"अगर देश में लोकतंत्र को जीवित रखना है तो विशेषकर इसलिए क्योंकि चुनावी बांड योजना के माध्यम से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में तोड़फोड़ हो रही है। ऐसा करने के लिए शायद यह सबसे उपयुक्तसमय है।"

आपत्तिजनक चुनावी बांड योजना के माध्यम से सत्तारूढ़ दल को बेरोकटोक राजनीतिक फंडिंग के कड़वे परिणामों को ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता है कि देश में चुनावों के लिए राज्य फंडिंग की अवधारणा पर वापस जाने का समय आ गया है. अगर देश में लोकतंत्र को जीवित रखना है तो. विशेषकर इसलिए क्योंकि चुनावी बांड योजना के माध्यम से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में तोड़फोड़ हो रही है। ऐसा करने के लिए शायद यह सबसे उपयुक्तसमय है. क्योंकि भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक संवैधानिक पीठ चुनावी बांड योजना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह पर फैसला करने के लिए तैयार है। यह अलग बात है कि फैसले में देरी. जिसे अदालत ने पिछले साल नवंबर में सुरक्षित रख लिया था. ने निस्संदेह लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं और उत्साही लोगों को निराश किया है। फिर भी सर्वोच्च न्यायालय एक सार्थक हस्तक्षेप करके संशोधन कर सकता है और अधिक न्यायसंगत और निष्पक्ष व्यवस्था का सुझाव देकर चीजों को सही कर सकता है। ऐसा करने में. अदालत को वर्तमान याचिकाओं के दायरे से परे जाना पड़ सकता है. लेकिन इस तरह का दृष्टिकोण देश में लोकतंत्र को संरक्षित करने में काफी मदद करेगा. जो अन्यथा खतरे में है। सत्ताधारी पार्टी को बेरोकटोक राजनीतिक फंडिंग की सुविधा देने के लिए आलोचना की गई और चुनावी बांड योजना तेजी से जांच के दायरे में आ गई है। भाजपा ने इस योजना से अधिकांश धन प्राप्त किया है. जबकि मुख्य विपक्षी कांग्रेस पार्टी सहित अन्य पार्टियों को कुल राशि का केवल दसवां हिस्सा ही मिला है। अनुपातहीन धन शक्ति ने सत्ताधारी पार्टी को विपक्षी शासित राज्यों के खिलाफ कुछ सबसे विचित्र अस्थिरता उत्पन्न करने की योजनाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है. जो वैध रूप से निर्वाचित सरकारों को हटाने और स्पष्ट दलबदल की मदद से अपने स्वयं के कठपुतली संगठनों की स्थापना में प्रकट हुई है। कर्नाटक. मध्य प्रदेश. महाराष्ट्र और बिहार ऐसे ही भाजपा की विध्वंसक राजनीति के सबसे खराब व्यंग्यचित्र के रूप में सामने आते हैं। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्यों की जांच करते हुए. 1998 की इंद्रजीत गुप्ता समिति की रिपोर्ट और 1999 की भारतीय विधि आयोग की रिपोर्ट की सिफारिशें. दोनों चुनावों के लिए पूर्ण राज्य वित्त पोषण की वकालत करती हैं. जो इस बहस की दीर्घकालिक प्रकृति को रेखांकित करती हैं। इंद्रजीत गुप्ता समिति ने राज्य के वित्त पोषण की दो सीमाओं की सिफारिश कीरू पहला. राज्य का धन केवल राष्ट्रीय और राज्य पार्टियों को आवंटित किया जाना चाहिए. न कि स्वतंत्र उम्मीदवारों को। दूसरे अल्पावधि में राज्य वित्त पोषण केवल मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों और उनके उम्मीदवारों को कुछ सुविधाओं के रूप में दिया जाना चाहिए। समिति ने कहा कि रिपोर्ट की तैयारी के समय. देश की आर्थिक स्थिति चुनावों के लिए केवल आंशिक राज्य वित्त पोषण के अनुकूल थी. न कि पूर्ण वित्तपोषण के। 1999 की विधि आयोग की रिपोर्ट मोटे तौर पर इंद्रजीत गुप्ता पैनल की रिपोर्ट से सहमत थी और इस बात पर जोर दिया गया था कि चुनावों के लिए कुल राज्य वित्त पोषण तब तक वांछनीय था जब तक राजनीतिक दलों को अन्य स्रोतों से धन लेने से प्रतिबंधित रखा गया हो। आयोग इस आधार पर भी सहमत था कि उस समय की आर्थिक स्थितियों को देखते हुए केवल आंशिक राज्य वित्त पोषण ही संभव था। लेकिन इसके अतिरिक्त. यह उचित नियामक ढांचे की सिफारिश करता है जिसमें यह सुनिश्चित करने के प्रावधान शामिल हैं कि राजनीतिक दल आंतरिक लोकतंत्र का पालन करते हैं और आंतरिक संरचनाओं और खातों को व्यवस्थित रखते हैं. उनकी ऑडिटिंग करते हैं और राज्य के वित्त पोषण की अनुमति से पहले चुनाव आयोग को प्रस्तुत करते हैं। उससे लगभग एक दशक पहले. दूसरे प्रशासनिक सुधार आयोग की शासन में नैतिकता शीर्षक वाली एक रिपोर्ट में भी चुनाव खर्चों की नाजायज और अनावश्यक फंडिंग को प्रतिबंधित करने के लिए चुनावों में आंशिक राज्य वित्त पोषण की सिफारिश की गई थी। लेकिन दुर्भाग्य से संविधान के कामकाज की समीक्षा करने के लिए राष्ट्रीय आयोग. 2001 ने चुनावों के लिए राज्य के वित्त पोषण का समर्थन नहीं किया. हालांकि यह 1999 के विधि आयोग की रिपोर्ट से सहमत था कि राज्य के वित्त पोषण से पहले राजनीतिक दलों के विनियमन के लिए उचित ढांचे को लागू करने की आवश्यकता होगी। कुल परिणाम यह है।

अन्नदाता के प्रति क्रूरता क्यों?

राहुल लाल

केन्द्र सरकार द्वारा एक तरफ किसानों के प्रति उच्चस्तरीय संवेदनशीलता दिखाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह और कृषि वैज्ञानिक एम एस स्वामीनाथन को भारत रत्न प्रदान किया गया है, वहीं दूसरी ओर अन्नदाता के ऊपर स्वतन्त्र भारत में पहली बार ड्रोन से आंसू गैस के हमले किए जा रहे हैं। इन हमलों को किसानों के ऊपर एयर स्ट्राइक कहा जाए. तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। रुस–यूक्रेन युद्ध और इजराइल द्वारा गाजा पर हमलों में ड्रोन हमलों की अंतरराष्ट्रीय आलोचना हुई है। वास्तव में अन्नदाता के ऊपर ड्रोन से आंसू गैस के हमलों को मानवता के अपराध के रूप में देखा जाएगा। किसान जब चंडीगढ़ में शान्तिपूर्ण तरीकों से सरकार के साथ बातचीत कर रहे थे. तो दूसरी तरफ पुलिस ने जगह–जगह हाईवे जाम करने शुरू कर दिए थे। बड़े–बड़े कांक्रीट के बोल्डर रखे गए। बैरिकेड और कांटों की दीवार बनाई गई। शंभू बॉर्डर पर अन्नदाता पर ड्रोन हमलों ने कई सवाल खड़े किए हैं। अपने देश में क्या कोई पुलिस या अर्द्धसैनिक बल अन्नदाता पर हवाई हमले कर सकती है? क्या निगरानी के अलावा किसी तरह के हमले के लिए ड्रोन का इस्तेमाल युद्ध की श्रेणी में नहीं आता है? किस कानून के तहत ड्रोन का इस्तेमाल हमले के लिए किया जाता है? क्या आने वाले दिनों में हर जन आंदोलन. सरकार विरोधी प्रदर्शन को ड्रोन हमलों से गुजरना पड़ेगा?माननीय प्रधानमंत्री कहां तो ड्रोन का प्रयोग कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन के लिए कर रहे थे .लेकिन अंततरू ड्रोन का प्रयोग अन्नदाता को कुचलने के लिए हो रहा है। प्रदर्शनकारी किसानों की सबसे बड़ी मांग एमएसपी यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी की है। किसान एमएसपी पर स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने की मांग कर रहे हैं। किसानों की यह मांग काफी स्वाभाविक भी है. जब सरकार एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न दे रही है. तो आखिर उनके एमएसपी पर सबसे महत्वपूर्ण सिफारिश को क्यों नहीं मानती है? 2011 में गुजरात मुख्यमंत्री और एक कार्य समूह के अध्यक्ष के रूप में नरेंद्र मोदी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को एक रिपोर्ट सौंपी थी. जिसमें कहा गया था कि श्किसानों के हितों की रक्षा के लिए हमें कानूनी प्रावधानों के माध्यम से सुनिश्चित करना होगा कि किसान और व्यापारी के बीच कोई भी लेन–देन एमएसपी से नीचे नहीं होना चाहिए।श 2014 के लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान कई भाषणों और चुनावी रैलियों में मोदीजी ने वादा किया था कि सभी फसलें एमएसपी पर खरीदी जाएगी.जो स्वामीनाथन समिति के फॉर्मूले के अनुसार सभी लागतों और 50 फीसदी मार्जिन को कवर करेंगी। परन्तु आज तक न तो एमएसपी की कोई गारंटी है और न ही यह सी–250 फीसदी के स्वामीनाथन फॉर्मूले पर आधारित है। वहीं 13 फरवरी को राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस किसानों को फसलों पर स्वामीनाथन कमीशन के अनुसार एमएसपी की कानूनी गारंटी देगी। उन्होंने कहा कि इंडिया एलायंस की सरकार बनेगी तो हम स्वामीनाथन की रिपोर्ट पर अमल करेंगे।राहुल गांधी की इस घोषणा के बाद बीजेपी किसान मामलों पर और फंसती हुई दिखाई दे रही है। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए नरेन्द्र मोदी स्वामीनाथन कमीशन की सिफारिशों के अनुसार एमएसपी का समर्थन कर रहे थे. परन्तु जब सत्ता में आए तो सुप्रीम कोर्ट में ही हलफनामा देकर कहा कि– स्वामीनाथन कमिटी के अनुसार सी–250फीसदी के फॉर्मूले पर एमएसपी देना संभव नहीं है। इस सम्पूर्ण मामले को समझने के लिए सर्वप्रथम समझते हैं कि स्वामीनाथन कमीशन ने किस प्रकार के एमएसपी का समर्थन किया है? भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के अंतर्गत कमीशन फॉर एग्रीकल्चर कोस्ट्स एंड प्राइसेस अर्थात सीएसीपी ही एमएसपी तय करता है। एमएसपी का आशय है– न्यूनतम समर्थन मूल्य। न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी किसानों को दी जाने वाली एक गारंटी की तरह होती है.जिसमें तय किया जाता है कि बाजार में किसानों की फसल किस दाम पर बिकेगी। दरअसल. फसल की बुआई के दौरान ही फसल की कीमत तय कर दी जाती है। एमएसपी तय होने के बाद बाजारों में फसलों की कीमत गिरने के बाद भी सरकार किसानों से तय कीमत पर ही फसलें खरीदती हैं। सरल शब्दों में कहें तो. एमएसपी का उद्देश्य फसल की कीमत में उतार–चढ़ाव के बीच किसानों को नुकसान से बचाना है। कृषि मंत्रालय खरीफ. रबी सीजन समेत अन्य सीजन की फसलों के साथ कॉमर्शियल फसलों पर भी एमएसपी लागू करती है। केंद्र सरकार ने किसानों की फसलों को उचित कीमत दिए जाने के उद्देश्य से ही साल 1965 में कृषि लागत और मूल्य आयोग यानी सीएसीपी का गठन किया था। पहली बार 1966–67 में एमएसपी दर लागू की गई थी। सीएसीपी द्वारा दी जाने वाली सिफारिशों के आधार पर सरकार हर साल 23 फसलों के लिए एमएसपी का ऐलान करती है। स्वामीनाथन आयोग ने किसानों को उनकी फसल की लागत का 50 फीसदी ज्यादा देने की सिफारिश की थी। स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश है– एमएसपी को सी 250 प्रतिशत के फार्मूले से लागू करने की। किसान आंदोलनकारी मोदी सरकार से एमएसपी पर यही फॉर्मूला लागू करने की मांग कर रहे हैं। स्वामीनाथन आयोग ने सी–2 50 का आंकड़ा बताने के लिए फसल लागत को तीन हिस्सों में बांटा था। फसल लागत के तीन हिस्सों के नाम हैं– ए 2. ए 2 एफ एल और सी 2। ए 2 के लागत में फसल की पैदावार में हुए सभी तरह के नकदी खर्च शामिल होते हैं। इसमें बीज. खाद.कीटनाशक. उर्वरक से लेकर मजदूरी. ईंधन और सिंचाई में लगने वाली लागत भी शामिल होती है। ए 2. एफ एल में फसल की पैदावार में लगने वाली कुल लागत के साथ –साथ परिवार के सदस्यों की मेहनत की अनुमानित लागत को भी जोड़ा जाता है।

मेष :– काफी दिनों से अवरोधित कोई हल होने के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्थ के प्रति सतर्कता अपेक्षित है। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा। रोजगार में लाभकारी अवसर मिलेंगे।

वृषभ :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अत व्यवहार कुशल बनें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

मिथुन :– मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरें में जाया न करें। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें और परिवार के अनुकूल चलें।

कर्क :– नये व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं से मन को कष्ट संभव।

सिंह :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही कतई न करें।

कन्या :– जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। संबंधियों के सहयोग से कठिनाइयां दूर होंगी।

तुला :– भविष्य को लेकर मन नकारात्मक आशंकाओं से प्रभावी रहेगा। प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

वृश्चिक :– रोजगार संबंधी कुछ नयी योजनाओं पर मन केंद्रित होगा। किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। भौतिक सुख में वृद्धि होगी।

धनु :– अपनी बातूनी कला का लाभ उठाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ का योग है। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

मकर :– बीती बातों को सोचने के बजाय वर्तमान में जीने की चेष्टा करें। जरूरत से ज्यादा बोलना व्यक्तित्व पर कुप्रभावी होगा। अतरू इसे सुधारें। नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे।

कुंभ :– सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। थोड़ा संयमी व धैर्यवान बनें। भाग्य से प्राप्त सभी स्थितियों के मध्य समझौतावादी रवैया अपनायें।

चुनावी बॉड्स पर सुप्रीम रोक, ऐतिहासिक फैसला

महेन्द्र सिंह

"कोर्ट ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को भी आदेश दिया है कि वह 6 मार्च, 2024 तक उन सभी राजनीतिक दलों के नाम व प्राप्त राशि निर्वाचन आयोग को बतलाये जिन्होंने इस योजना का लाभ उठाया है ।"

सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को सुनाए अपने ऐतिहासिक फैसले में भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा जारी किये गये इलेक्टोरल (चुनावी) बॉड्स योजना पर रोक लगा दी है. जो संविधानसम्मत होने के साथ जनअपेक्षाओं के अनुरूप भी है। कोर्ट ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को भी आदेश दिया है कि वह 6 मार्च, 2024 तक उन सभी राजनीतिक दलों के नाम व प्राप्त राशि निर्वाचन आयोग को बतलाये जिन्होंने इस योजना का लाभ उठाया है और इस जानकारी को आयोग 13 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर साझा करे। इस जानकारी से ज्ञात होगा कि किस दल ने किससे और कितनी राशि प्राप्त की है। इस तरह सूचना के अधिकार की रक्षा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, पारदर्शिता एवं चुनावी सुधार की चारो दिशाओं के क्षितिजों का स्पर्श करने वाला यह निर्णय संसदीय प्रणाली के शुद्धिकरण की राह में मील का पत्थर कहा जा सकता है। इस योजना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई करते हुए प्रमुख न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय बेंच ने एकमत से इसे असंवैधानिक करार देते हुए कहा कि यह सूचना के अधिकार के नियम का उल्लंघन है। उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने 2017 में यह योजना एक वित्त अधिनियम के रूप में लोकसभा से पारित कराई गई थी. जिसे 29 जून, 2018 को कानूनन लागू किया गया था। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की चुनिंदा शाखाओं से कोई भी नागरिक इस बॉड को खरीदकर अपने पसंदीदा दल को चंदे के रूप में दे सकता था। इसे एक तरह से राजनीतिक दलों की गुमनाम तरीके से मदद करना भी कहा जा सकता है। इस योजना को लेकर सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि वोटर को यह जानने का हक है कि राजनीतिक दलों के पास धन कहां से आ रहा है। उसने यह भी कहा कि यह योजना नागरिकों के सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है जिसके कारण संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) में उल्लिखित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रभाव पड़ता है। सुनवाई के दौरान सरकार की दलील थी कि इससे राजनैतिक दलों की फंडिंग मे काले धन का इस्तेमाल रुकेगा तथा फंडिंग साफ–सुथरी होगी। कोर्ट ने इसे अस्वीकार करते हुए कहा कि उसके दूसरे तरीके भी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इसकी जानकारी जनता को न देने की सरकार के अटॉर्नी जनरल की यह दलील खारिज कर दी जिसमें कहा गया कि उचित प्रतिबन्धो के अधीन हुए बिना श्कुछ भीश् और श्सब कुछश् जानने का अधिकार नहीं दिया जा सकता। यह दुर्भाग्यपूर्ण है जनता को यह जानने का अधिकार नहीं है कि इस योजना में किस पार्टी को किसने कितना चंदा दिया। इस तरह सरकार ने इसे जनता की पहुंच से दूर रखा है जिसके कारण इसकी विश्वसनीयता एवं पारदर्शिता दोनो ही संदेहों के घेरे में रही। इस योजना के नियमों के अनुसार एसबीआई की निर्दिष्ट शाखाओं से 1000 रुपये, 10,000 रुपयेओ 1 लाख, 10 लाख और एक करोड़ रुपए तक के बॉड्स खरीदे जा सकते हैं। इसकी वैधता 15 दिनो की है जिस अवधि मे जनप्रतिनिधित्व कानून के अंतर्गत पंजीकृत एवं पिछले चुनाव में कम से कम 1 प्रतिशत वोट पाने वाले दलों को प्राप्त सहयोग राशि का इस्तेमाल करना जरूरी है। इस बाबत कई वकीलों सामाजिक कार्यकर्ताओं सिविल सोसायटियों तथा चुनावी सुधार के पक्षधरों ने आरोप लगाया था कि इसके माध्यम से कार्पोरेट घराने व्यवसायी एवं वे लोग जो सरकारों से अपने काम कराना चाहते हैं, ये बॉड्स खरीदकर राजनीतिक दलों से नजदीकियां बढ़ा सकते हैं। इस बात पर इसलिये सहज विश्वास किया जा सकता है क्योंकि भाजपा सरकार की कारोबारी व उद्योग जगत से नजदीकियां ज्ञात हैं। बाद में यह बात सही भी साबित हुई क्योंकि भाजपा को सबसे ज्यादा चंदा प्राप्त हुआ– करीब 5300 करोड़ रुपये। लोग जानना चाहते हैं कि चंदा देने वाले कौन हैं और उन्होंने कितना चंदा दिया है। इन्हीं शंकाओं के साथ सुप्रीम कोर्ट को दो याचिकाएं प्राप्त हुई थीं। एक तो थी एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (2017) की एवं दूसरी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (2018) ने दाखिल की थी। इन दोनों में ही कहा गया कि इससे देशी–विदेशी चंदे की बाढ़ आ जायेगी जिसके जरिये चुनावी भ्रष्टाचार को वैध बनाया जायेगा। इसे रिश्वतखोरी भी कहा गया। इस योजना के कारण भाजपा ने जो सम्पत्ति बटोरी है उसके कारण उसे चुनाव लड़ने में विरोधी दलों के मुकाबले बढ़त मिल जाती है। भाजपा को मिली उपरोक्त राशि के मुकाबले मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को केवल 952 करोड़, तृणमूल कांग्रेस को लगभग 768 करोड़ तथा एनसीपी को सिर्फ 63.75 करोड़ रुपए मिले हैं। सही है कि इलेक्टोरल बॉड्स योजना से कमोबेश अनेक दल लाभान्वित हुए हैं लेकिन माना जाता है कि इस फैसले से सबसे ज्यादा अड़चन भाजपा को ही होगी। क्योंकि यह निर्णय ऐसे वक्त पर आया है जबकि लोकसभा के चुनाव कुछ ही महीनों की दूरी पर हैं। नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिये बेताब भाजपा ने इस बार खुद के लिये 370 और अपने गठबन्धन (एनडीए) के साथ मिलकर 400 पार का नारा दिया है। जाहिर है कि लगभग सभी मोर्चोंपर नाकाम मोदी–भाजपा ने जब यह लक्ष्य बनाया होगा तब केवल उनकी कथित लोकप्रियता इसका आधार नहीं रही होगी। बड़ी संख्या मे सीटों पर चुनाव लड़ने के लिये भाजपा को बड़ी धन राशि चाहिये जो उसकी प्रमुख ताकत है।

85 टेस्ट मैचों का अनुभव और बच्चों जैसी गलती! टीम ने दिया जीवनदान फिर भी रहे फेल

नई दिल्ली।

भारत में इस समय इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ-साथ रणजी ट्रॉफी के भी मुकाबले खेले जा रहे हैं. भारत के इस घरेलू टूर्नामेंट में शुक्रवार को असम के खिलाफ मुकाबले में भारत के अनुभवी बल्लेबाज और मुंबई टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे से एक ऐसी गलती हुई जिसकी आमतौर पर एक अनुभवी खिलाड़ी से उम्मीद नहीं की जा सकती है. दरअसल, रहाणे अपने क्रिकेट करियर में पहली बार ऑब्सट्रक्टिंग द फील्ड के तौर पर आउट हुए. उनके आउट होने के बाद मैदान पर असम के खिलाड़ियों ने कुछ ऐसा किया जिसकी तारीफ हर कोई कर रहा है.

ऑब्सट्रक्टिंग द फील्ड के कारण रहाणे हुए थे आउट

ऑब्सट्रक्टिंग द फील्ड के कारण आउट दिए गए रहाणे फील्ड छोड़कर जा रहे थे. रहाणे को जब आउट दिया गया उस वक्त वह 18 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे.

हालांकि जब रहाणे मैदान छोड़कर वापस जा रहे थे तो कुछ खिलाड़ियों से बातचीत के बाद असम के कप्तान दानिश दास ने अपनी अपील को वापस ले लिया और इस दिग्गज बल्लेबाज को बल्लेबाजी के लिए मैदान पर फिर से वापस बुलाया गया. असम की टीम की इस खेल भावना की अब हर कोई तारीफ कर रहा है.

जीवनदान का भी फायदा नहीं उठा पाए रहाणे

असम द्वारा दिए गए इतने बड़े जीवनदान का भी अजिंक्य रहाणे फायदा नहीं उठा सकें. मैदान पर जीवनदान के बाद बल्लेबाजी करने वाले रहाणे अपनी पारी में सिर्फ 4 रन और जोड़ सकें और 22 रनों के स्कोर पर क्लीन बोल्ड हो गए.रहाणे पिछले कुछ समय से बेहद खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं. भारतीय टीम से बाहर चल रहे इस दिग्गज बल्लेबाज का बल्ला रणजी ट्रॉफी के एक भी मुकाबले में नहीं चल सका है.

बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का खुलासा

बताया अश्विन के राजकोट टेस्ट से बाहर होने का असली कारण

नई दिल्ली.

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने रविचंद्रन अश्विन के राजकोट टेस्ट से बाहर होने का कारण बताया है। भारत और इंग्लैंड के बीच इस समय राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में 5 मैच की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला खेला जा रहा है। मैच के दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद अश्विन को आनन-फानन में टीम का साथ घर लौटना पड़ा। उन्होंने राजकोट में जारी इस टेस्ट से अपना नाम वापस ले लिया है, बीसीसीआई ने शुक्रवार की रात को इसकी जानकारी दी। बीसीसीआई ने बताया कि फैमिली इमरजेंसी के चलते अश्विन को राजकोट टेस्ट बीच में छोड़कर जाना पड़ा है।

अब बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने बताया है कि अश्विन की फैमिली में क्या इमरजेंसी आई जिसकी वजह से उन्हें टेस्ट मैच को बीच में ही छोड़कर जाना पड़ा।राजीव शुक्ला ने बताया कि अश्विन की मां की तबीयत खराब हो गई है जिस वजह से इस खिलाड़ी को आनन-फानन में राजकोट से चेन्नई अपने घर जाना पड़ा। अश्विन को मां को क्या हुआ है बीसीसीआई उपाध्यक्ष ने इसकी ज्यादा जानकारी नहीं दी है।

राजीव शुक्ला ने अपने एक्स पर लिखा, अश्विन की माँ के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। उसे अपनी मां के पास रहने के लिए राजकोट टेस्ट छोड़कर चेन्नई जाना पड़ा।

बता दें, राजकोट टेस्ट के दूसरे दिन जैक क्रॉली के विकेट के साथ अश्विन ने अपने टेस्ट करियर में 500 विकेट पूरे किए। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले दूसरे भारतीय और कुल 9वें खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले टीम इंडिया के लीजेंड स्पिनर अनिल कुंबले 500 विकेट का आंकड़ा छूने वाले एकमात्र गेंदबाज थे। कुंबले ने अपने करियर में कुल 619 शिकार किए हैं। अब अश्विन की नजरें कुंबले के इसी रिकॉर्ड को तोड़ने पर होगी।

बता दें, इस मैच में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया ने कप्तान रोहित शर्मा और हरफनमौला रविंद्र जडेजा के शतक के दम पर 445 रन बोर्ड पर लगाए। वहीं दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लिश टीम 2 विकेट के नुकसान पर 207 रन बोर्ड पर लगा चुकी है। बेन डकेट 133 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने एकमात्र टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका को बुरी तरह हराया, सदरलैंड ने ठोका दोहरा शतक

नई दिल्ली. ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका की महिला टीमों के बीच एकमात्र टेस्ट मैच पर्थ में खेला गया। इस मुकाबले में बड़ी जीत ऑस्ट्रेलिया की टीम ने दर्ज की। साउथ अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया ने पारी और 284 रनों के विशाल अंतर से हराया। एनाबेल सदरलैंड मैच की हीरो रहीं, क्योंकि उन्होंने दोहरा शतक जड़ा, जो कि वुमेंस टेस्ट क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक था। सदरलैंड के इसी दोहरे शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने एक ही पारी में इतने रन बना दिए कि साउथ अफ्रीका की टीम दो पारियों में भी वहां तक नहीं पहुंच सकी।

इस मुकाबले में साउथ अफ्रीका की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए महज 76 रनों पर ढेर हो गई थी। ऑस्ट्रेलिया की डार्सी ब्राउन ने 5 विकेट निकाले थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी में बल्लेबाजी करने उतरी। एनाबेल सदरलैंड की 210 और कप्तान हीली मैथ्यूज 99 रनों की पारी की बदौलत मेजबान टीम 9 विकेट खोकर 575 रन बनाने में सफल रही और पारी घोषित कर दी।

आनंद महिंद्रा ने फिर जीता सबका दिल, सरफराज खान के पिता को शानदार गिफ्ट देने का किया एलान

नई दिल्ली: भारत और इंग्लैंड के बीच राजकोट में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला खेला जा रहा है. यह मुकाबला भारतीय टीम के युवा स्टार बल्लेबाज सरफराज खान के लिए बहुत खास रहा. दरअसल, सरफराज को इस मैच में अपना टेस्ट डेब्यू करने का मौका मिला. सरफराज खान भारतीय टीम में एंट्री पाने के लिए लंबे समय से कड़ी मेहनत कर रहे थे. उनकी मेहनत और कामयाबी में उनके पिता नौशाद खान का भी बड़ा योगदान है.

सरफराज के डेब्यू के समय नौशाद काफी भावुक नजर आए थे. सरफराज के पिता की इसी मेहनत को देश के दिग्गज उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने भी सलाम किया है. उन्होंने नौशाद खान की प्रशंसा करते हुए उन्हें धांसू गिफ्ट देने का फैसला किया है.

नौशाद खान को आनंद महिंद्रा देंगे खास तोहफा

आनंद महिंद्रा ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स पर अपने ऑफिशियल अकाउंट से एक खास ट्वीट करते हुए लिखा कि 'हिम्मत नहीं छोड़ना बस, साहस और धैर्य, एक पिता अपने बच्चे को प्रेरित करने के लिए इनसे बेहत गुण और क्या दे सकता है. एक प्रेरणादायक पैरेंट्स होने के नाते यह मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात होगी अगर नौशाद खान के एक थार का उपहार मेरी से ओर से स्वीकार करें.' आनंद महिंद्रा के नौशाद खान को थार गिफ्ट करने की बात देख फैंस काफी खुश हुए. वह इसे लेकर आनंद महिंद्रा की जमकर तारीफ कर रहे हैं.

युवराज सिंह के घर में हुई चोरी, गायब हुआ कैश और ज्वैलरी; मां ने इन पर जताया संदेह

नई दिल्ली.पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के पंचकुला के एमडीसी सेक्टर 4 स्थित आवास से नकदी और आभूषणों की चोरी का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि इस चोरी में 75,000 रुपये नकद और विभिन्न आभूषण शामिल है। चोरी में वहां कार्यरत घरेलू कर्मचारियों पर संदेह पैदा कर दिया है। युवराज सिंह की मां शबनम सिंह ने खुलासा किया कि हाउसकीपिंग स्टाफ ललिता देवी और रसोइया सिलदार पाल संदेह के घेरे में हैं।

उन्होंने बताया कि वह सितंबर 2023 से गुड़गांव में उनके दूसरे आवास पर रह रही थी। 5 अक्टूबर, 2023 को एमडीसी घर लौटने पर, उसे पहली बार अलमारी से लगभग 75,000 रुपये मूल्य के आभूषण और अन्य सामान गायब होने का पता चला।

मामले की व्यक्तिगत रूप से जांच करने के प्रयासों के बावजूद, वह कोई सुराग हासिल करने में असमर्थ रही। यह नोट किया गया कि ललिता देवी और सिलदार पाल ने अचानक ने आचानक नौकरी छोड़ दी और दिवाली से गायब हैं।

शबनम सिंह ने दो पूर्व कर्मचारियों पर शक जाहिर करते हुए पुलिस कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने आधिकारिक तौर पर मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

SHO मनसा देवी ने प्रभावी जांच करने और मीडिया पूछताछ के प्रबंधन के बीच नाजुक संतुलन पर टिप्पणी करते हुए कहा, अगर हम मीडिया को सब कुछ बता देंगे, तो हम चोरों को कैसे पकड़ पाएंगे? यह भावना मनसा देवी के SHO धर्मपाल सिंह द्वारा व्यक्त की गई, जिन्होंने शुरू में मीडिया पूछताछ का जवाब देने के बाद, प्रेस के साथ संचार बंद कर दिया। जब सीधे पुलिस स्टेशन में संपर्क किया गया, तो उन्होंने मामले को सुलझाने की कोशिश करते हुए मीडिया के साथ जानकारी साझा करने की चुनौती दोहराई।

अनिल कुंबले का रिकॉर्ड तोड़ने पर ये क्या बोले आर अश्विन, मैं 37 साल का हो गया हूं...

नई दिल्ली.एजेंसी

अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन 500 टेस्ट विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बनने के बाद काफी संतुष्ट हैं और उन्हें अनिल कुंबले के 619 विकेट के राष्ट्रीय रिकॉर्ड का पीछा करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन 500 टेस्ट विकेट लिए और दिन का खेल खत्म होने के बाद मीडिया से कहा, इसका बहुत ही सरल उत्तर नहीं है। यह रिकॉर्ड 120 विकेट दूर है। मैं हर दिन जीना चाहता हूं और मैं 37 साल का हूं। नहीं जानता कि आगे क्या होने वाला है। अगले दो महीनों में क्या होगा? आप यह सीरीज खेल रहे हो और फिर आगे क्या, तुम्हें नहीं पता।अश्विन ने कहा, पिछले चार-पांच सालों में मैंने यही सीखा है, यह बहुत ही सरल है और मेरे लिए कारगर भी रहा है। जो चीज आपके लिए कारगर हो, उसे क्यों बदलनाअपने करियर के सबसे यादगार दिन अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए अश्विन ने कहा कि वह कह सकते हैं कि यह कोई बुरी उपलब्धि नहीं है। अश्विन ने कहा, %बहुत लंबी यात्रा रही है। नहीं जानता कि कहां से शुरू करूं क्योंकि मैं संयोगवश स्पिनर बना। मैं हमेशा बल्लेबाज बनना चाहता था। जिंदगी ने मुझे मौका दिया। जब मैं चेन्नई सुपर किंग्स के ड्रेसिंग रूम में गया तो मुथैया मुरलीधरन नई गेंद से गेंदबाजी नहीं करना चाहते थे और मुझे नई गेंद डालनी पड़ी।

अश्विन ने कहा, मैंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अच्छी शुरूआत की और मेरा करियर अच्छा था। लेकिन आईपीएल के मंच ने मुझे काफी लोगों की नजरों में ला दिया और मुझे टेस्ट डेब्यू का मौका मिला। लोगों को संदेह था कि मैं टेस्ट गेंदबाज बन पाऊंगा या नहीं।

इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट टेस्ट में ब्लैक आर्मबैंड पहनकर उतरी टीम इंडिया, जानें क्या है वजह

नई दिल्ली।

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैच की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला राजकोट में खेला जा रहा है। इस मुकाबले के तीसरे दिन भारतीय टीम ब्लैक आर्मबैंड पहनकर मैदान पर उतरी है। यह ब्लैक आर्मबैंड टीम ने पूर्व भारतीय कप्तान दत्ताजीराव गायकवाड़ की याद में पहना है जिनका हाल ही में निधन हुआ था। इसी महीने 13 तारीख को उनका निधन 95 साल की उम्र में हुआ था। वे भारत के सबसे

उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर थे। बीसीसीआई ने टीम इंडिया के ब्लैक आर्मबैंड पहनने की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी।

बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा, भारत के पूर्व कप्तान और भारत के सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर दत्ताजीराव गायकवाड़ की याद में टीम इंडिया काली पट्टी पहनेगी, जिनका हाल ही में निधन हुआ था।इंग्लैंड के दौरे पर उनको भारतीय टीम का नेतृत्व करने का मौका मिला था।

हालांकि, करियर में सिर्फ 11 टेस्ट मैच ही उनको खेलने का मौका मिला, क्योंकि उन दिनों इतने ज्यादा टेस्ट मैच नहीं होते थे, क्योंकि बहुत कम देश ही इस खेल में रुचि लेते थे। यही कारण था कि इसे जेंटलमैन्स का गेम कहा जाता था।

बेन डकेट की हुई दिग्गजों की लिस्ट में एंट्री, एडम गिलक्रिस्ट और क्लाइव लॉयड के बाद भारत में ऐसा धमाल मचाने वाले बने तीसरे खिलाड़ी

बेन डकेट भारतीय सरजमीं पर सबसे तेज शतक ठोकने वाले तीसरे विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। 88 गेंदों में ये कारनामा कर उनकी एंट्री एडम गिलक्रिस्ट और क्लाइव लॉयड जैसे दिग्गजों की सूची में हो गई है।

नई दिल्ली:

इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने राजकोट टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय गेंदबाजों की धुनाई कर धमाल मचा दिया है। भारत के 445 रनों के स्कोर के सामने इंग्लैंड ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक दो विकेट के नुकसान पर अपनी पहली पारी में 207 रन बोर्ड पर लगा दिए हैं। इस दौरान डकेट ने 118 गेंदों पर 21 चौकों और 2 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 133 रनों की पारी खेली। दिन के अंत तक वह नाबाद रहे और उन्होंने हर भारतीय गेंदबाज के खिलाफ रन बनाए। डकेट ने इस टेस्ट मैच में 88 गेंदों पर शतक जड़ा जो विदेशी बल्लेबाजों द्वारा भारतीय सरजमीं पर जड़ा गया अब तक का तीसरा सबसे तेज शतक है।

जी हां, 2001 के बाद यह कारनामा कोई विदेशी खिलाड़ी भारतीय सरजमीं पर करने में कामयाब रहा है। विदेशी बल्लेबाज द्वारा भारतीय सरजमीं पर सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेट कीपर एडम गिलक्रिस्ट के नाम है। इस विकेट कीपर बल्लेबाज ने 2001 मुंबई टेस्ट में भारत के खिलाफ 84 गेंदों में सेंचुरी ठोकी थी, वहीं दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान हैं जिन्होंने 1974 बेंगुलुरु टेस्ट में भारत के खिलाफ मात्र 85 गेंदों पर 100 रन पूरे किए थे।

अब बेन डकेट इस लिस्ट में शामिल होने वाले तीसरे विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। डकेट ने अपनी पारी का आगाज ही आतिशी अंदाज में किया था। वह पूरी पारी के दौरान सहज नजर आए। उन्होंने किसी भी भारतीय गेंदबाज के साथ भेद-भाव नहीं किया और हर किसी की जमकर कुटाई की।

बात मुकाबले की करें तो, इस मैच में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया ने कप्तान रोहित शर्मा और हरफनमौला रविंद्र जडेजा के शतक के दम पर 445 रन बोर्ड पर लगाए। इस दौरान सरफराज खान ने 62 रनों की पारी खेली, वहीं ध्रुव जुरेल ने महत्वपूर्ण 46 रन बनाए।

खिलाड़ियों को BCCI की फाइनल वॉर्निंग, रणजी ट्रॉफी छोड़ी तो भुगतने होंगे परिणाम

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों को फाइनल वॉर्निंग दे दी है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पत्र लिखकर कहा है कि रणजी ट्रॉफी किसी खिलाड़ी ने छोड़ी तो इसके परिणाम सभी को भुगतने के लिए तैयार होगा।

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने शुक्रवार को शीर्ष क्रिकेटरों को एक पत्र लिखकर चेतावनी दी है। उन्होंने केंद्रीय अनुबंधित और इंडिया ए टीम को पत्र लिखकर कहा है कि घरेलू क्रिकेट राष्ट्रीय टीम में चयन के लिए महत्वपूर्ण मानदंड है और इसमें भाग नहीं लेने पर इसके गंभीर प्रभाव होंगे। बीसीसीआई ने अपने लेटर में कहा है कि घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट पर आईपीएल को प्राथमिकता देने वाले खिलाड़ियों के लिए चिंता की बात है।

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, जय शाह ने लेटर में लिखा, हाल ही में एक ट्रेंड सामने आया है और यह चिंता का कारण है। कुछ खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट पर आईपीएल को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है, एक ऐसा बदलाव जिसकी उम्मीद नहीं थी। घरेलू क्रिकेट हमेशा वह आधार रहा है जिस पर भारतीय क्रिकेट खड़ा है और खेल के प्रति हमारे दृष्टिकोण में इसे कभी भी कम महत्व नहीं दिया गया है।उन्होंने यह भी कहा कि घरेलू क्रिकेट भारतीय क्रिकेट की रीढ़ है और टीम इंडिया के लिए फीडर लाइन के रूप में कार्य करता है। भारतीय क्रिकेट के लिए हमारा दृष्टिकोण शुरू से ही स्पष्ट रहा है। भारत के लिए खेलने के इच्छुक प्रत्येक क्रिकेटर को घरेलू क्रिकेट में खुद को साबित करना होगा। घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन चयन के लिए एक महत्वपूर्ण पैमाना बना हुआ है और घरेलू क्रिकेट में भाग ना लेने पर इसके गंभीर प्रभाव होंगे।

जय शाह ने इस पत्र में ये भी कहा है कि घरेलू क्रिकेट में अगर ऐसा होगा तो ये बोर्ड के लिए भी चिंता की बात होगी। शाह ने माना है कि आईपीएल बोर्ड के लिए एक धरोहर है, लेकिन खिलाड़ियों को अगर भारतीय टीम में खेलना है तो उनको घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट को प्राथमिकता देनी चाहिए। ईशान किशन ही नहीं, बल्कि सभी खिलाड़ियों के लिए ये चेतावनी है। दीपक चाहर भी आईपीएल की तैयारियों में जुट गए हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का उदाहरण देते हुए लिखा, ÷सुनील गावस्कर जैसे दिग्गजों ने अंतरराष्ट्रीय दौरे से आने वाली सुबह क्लब क्रिकेट खेलकर इस समर्पण का उदाहरण दिया। घरेलू क्रिकेट को सिर्फ एक प्रतिबद्धता के रूप में नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी और गर्व के स्रोत के रूप में देखा जाता था।

राजनीतिक व्यक्ति अपने भाषण में जाति, धर्म से संबंधित शब्दों का नहीं कर सकेगा प्रयोग

चंडीगढ़. हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने कहा कि लोकसभा के आमचुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। वे शुक्रवार को यहां आदर्श आचार संहिता के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को अपने घोषणा पत्र जारी करने के तीन दिन के अंदर चुनाव घोषणा-पत्र की तीन कापियां मुख्य निर्वाचन अधिकारी के चंडीगढ़ कार्यालय में जमा करवानी होंगी। अग्रवाल ने बताया कि यदि किसी भी राजनीतिक दल को कोई रैली या रोड-शो का काफिला निकालना है तो उसकी अनुमति संबंधित जिला अथॉरिटी से लेनी जरूरी है।

उन्होंने बताया कि यदि कोई राजनीतिक दल रोड शो का काफिला निकलता है तो उससे रोड जाम नहीं होना चाहिए और जहां पर अस्पताल व ट्रामा सेंटर होगा वहां से कोई भी राजनीतिक पार्टी रोड शो का काफिला नहीं निकाल सकेगी। रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर का प्रयोग नहीं किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा किसी भी रेस्ट हाउस, डाक बंगलों और सरकारी मकान का प्रयोग नहीं किया जाएगा।

कोई भी राजनीतिक व्यक्ति अपने भाषण में जाति, धर्म से संबंधित शब्दों को प्रयोग नहीं कर सकेगा और राजनीतिक दल अपने बैनर पर मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा व चर्च की फोटो का प्रयोग भी नहीं कर सकेगा। इलेक्शन एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग टीम जिला स्तर पर बनाई है, जो उम्मीदवार के कार्यक्रमों पर विभिन्न प्रकार से नजर रखेगी। ताकि कार्यक्रमों में उम्मीदवार द्वारा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन नहीं किया जा रहा।

हरियाणा कांग्रेस की तीन कमेटियों के पदाधिकारी तय करेंगे चुनावों का रोडमैप

चंडीगढ़. हरियाणा कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों का रोडमैप तय करने के लिए 17 फरवरी को नई दिल्ली में अहम बैठकें बुलाई हैं। चुनावों के लिए गठित की गई तीन कमेटियों के पदाधिकारियों की बैठक में चुनावी मुद्दों, प्रत्याशियों का चयन और चुनावी घोषणा-पत्र पर मंथन होगा। प्रदेश इलेक्शन कमेटी, राजनीतिक मामलों की कमेटी और चुनावी घोषणा-पत्र कमेटी की ये बैठकें हरियाणा प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया की अध्यक्षता में होंगी।

बैठक में पूर्व सीएम और विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेशाध्यक्ष चौ. उदयभान, सांसद दीपेंद्र हुड्डा सहित तीनों कमेटियों के सभी सदस्यों को आमंत्रित किया है। इलेक्शन कमेटी के चेयरमैन उदयभान, राजनीतिक मामलों की समिति के चेयरमैन दीपक बाबरिया और अनुशासन समिति की चेयरपर्सन पूर्व शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल हैं। इन कमेटियों में एसआरके ग्रुप के कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला, किरण चौधरी के अलावा उनके समर्थक भी शामिल हैं। कमेटी के सभी सदस्यों को बैठक में बुलाया है ताकि चुनावों का खाका तैयार किया जा सके। इससे पहले इन कमेटियों की बैठकें 12 व 13 फरवरी को चंडीगढ़ स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में होनी थी, लेकिन किसान आंदोलन के चलते बैठकों को स्थगित किया गया। अब ये बैठकें नयी दिल्ली में होंगी। कांग्रेस ने लोकसभा की सभी दस सीटों के लिए चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन भी मांगे थे। इन सीटों के लिए 320 से अधिक नेताओं ने आवेदन किया है। रोहतक पार्लियामेंट में सबसे कम तीन और सोनीपत में सर्वाधिक 79 नेताओं ने टिकट के लिए दावा किया है। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित अंबाला और सिरसा पार्लियामेंट क्षेत्र में भी टिकट के दावेदारों की संख्या चालीस से अधिक है। गुरुग्राम और फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र में 11-11 नेताओं ने टिकट की मांग की है। गुरुग्राम से कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र कुमार भारद्वाज चुनाव लड़ना चाहते हैं। 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को दसों सीटों पर हार का मुंह देखना पड़ा था। कांग्रेस इस बार और भी मजबूती के साथ लोकसभा चुनावों के लिए मैदान में उतरने की तैयारी में है। इसके लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

बैठक से पहले कैप्टन अजय यादव ने दिया इस्तीफा

पार्टी प्रभारी दीपक बाबरिया की कार्यशैली से नाराज चल रहे पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने राजनीतिक मामलों की समिति और स्टेट इलेक्शन कमेटी से इस्तीफा दे दिया है। वे दोनों कमेटियों में बतौर सदस्य शामिल थे। शनिवार को होने वाली बैठक से पहले उन्होंने कमेटियों से इस्तीफा दे दिया। इससे पहले उन्होंने गुरुग्राम लोकसभा क्षेत्र से आवेदन करने से यह कहते हुए इंकार कर दिया था कि वे वरिष्ठ नेता हैं और उन्हें आवेदन करने की जरूरत नहीं है। यहां से महेंद्रगढ़ विधायक राव दान सिंह द्वारा टिकट की मांग करने से भी अजय यादव खफा हैं।

इस साल हरियाणा में सड़कों पर खर्च किए जाएंगे 4200 करोड़

चंडीगढ. हरियाणा सरकार ने सड़कों की मरम्मत के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की है। सड़कों के कार्यों को पांच कैटेगरी में विभाजित किया है। पहली प्राथमिकता सड़कों की कार्पेटिंग की रहेगी। नई सड़कों का निर्माण पांचवें चरण में होगा। इतना ही नहीं, पूर्व की तरह इस बार भी सरकार विधायकों को उनके हलकों में 25-25 करोड़ की लागत से सड़कों की मरम्मत, विस्तार तथा नई सड़कों के निर्माण की योजना ला सकती है। अगले एक साल में एमडीआर (मेजर डिस्ट्रिक्ट सड़कें), ओडीआर (अदर डिस्ट्रिक्ट सड़कें) तथा स्टेट हाईवे से जुड़ी सड़कों पर 4200 करोड़ रुपये खर्च किया जाएगा। इस पैसे का इंतजाम 23 फरवरी को मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा पेश किए जाने वाले 2024-25 के वार्षिक बजट में किया जाएगा। पिछले वित्तीय वर्ष में सरकार ने सभी विधायकों को उनके हलकों में 25-25 करोड़ रुपये की लागत के सड़कों के कार्यों की डिमांड की थी।

इस योजना के तहत सभी नब्बे हलकों में सड़कों की मरम्मत, विस्तार व नई सड़कों के निर्माण पर 2500 करोड़ के करीब पैसा खर्च

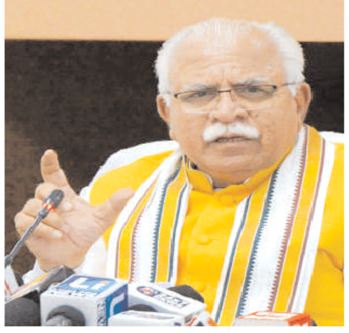

हुआ। सड़कों के लिए बनाई गई कार्ययोजना में तय किया है कि पहले चरण में विधायकों द्वारा सड़कों की कार्पेटिंग की मांग को पूरा किया जाएगा।

प्रदेशभर में जितनी भी सड़कें चार साल पुरानी है, उन सभी की कार्पेटिंग की जाएगी। दूसरे चरण में जिलों के अधिकारियों द्वारा कार्पेटिंग के लिए की जाने वाली सिफारिशों पर काम होगा। तीसरे चरण में विधायकों की उन सड़कों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिन सड़कों के विस्तार की वे सिफारिश करेंगे। वहीं चौथे चरण में जिला अधिकारियों द्वारा सड़कों के विस्तार के लिए दी जाने वाली सड़कों की लिस्ट पर काम किया जाएगा। नई सड़कों का निर्माण पांचवें चरण में पूरा होगा। प्रदेश के अधिकांश गांवों को शहरों के अलावा आपस में कनेक्ट किया जा सकता है। अब इन सड़कों की मरम्मत और उनकी चौड़ाई बढ़ाने पर सरकार का जोर रहेगा। नई सड़कों का निर्माण बहुत जरूरी होने पर ही किया जाएगा।

बाढ़ग्रस्त सड़कें होंगी ठीक

प्रदेश के पीडब्ल्यूडी (भवन एवं सड़कें) विभाग ने तय किया है कि जुलाई-2023 में बाढ़ की वजह से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को सबसे पहले बनाया जाएगा। इसके बाद उन सड़कों का नंबर आएगा, जिन्हें बने हुए चार साल पूरे हो चुके हैं। सरकार यह मानकर चलती है कि चार वर्षों के बाद सड़कों की कार्पेटिंग करनी जरूरी है। विभाग द्वारा टेंडर प्रक्रिया को जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

एम्स से हरियाणा- राजस्थान को होगा लाभ - दुष्यंत

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रदेश को 9770 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात देने पर उनका आभार जताया है। उन्होंने कहा कि रेवाड़ी के माजरा मुस्तिल भालखी गांव में लगभग 1650 करोड़ रुपये की लागत से एम्स बनने पर हरियाणा में स्वास्थ्य सुविधाओं में इजाफा होगा। इससे जहां हरियाणा के लोगों को लाभ होगा, वहीं पड़ोसी राज्य राजस्थान को नजदीक होने के कारण फायदा मिलेगा।

शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला रेवाड़ी में एम्स सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचे और यहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा की धरा पर पहुंचने पर स्वागत किया। दुष्यंत ने प्रधानमंत्री के दौरे को प्रदेश में रेल तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर बताते हुए कहा कि 5450 करोड़ रुपये की लागत की गुरुग्राम मेट्रो परियोजना राज्य की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले गुरुग्राम के विकास को और अधिक गति देगी।

मोदी-मनोहर सरकार हर व्यक्ति के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध : मूलचंद शर्मा

बल्लभगढ़. प्रदेश के परिवहन एवं उच्चतर शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गयी विकसित भारत संकल्प यात्रा ने लोगों को बिना सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगवाए केंद्र व प्रदेश की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाकर एक नया आयाम स्थापित किया है। केंद्र की मोदी व प्रदेश की मनोहर सरकार पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। परिवहन मंत्री शुक्रवार को विकसित भारत-विकसित हरियाणा के तहत जिला रेवाड़ी में आयोजित विभिन्न परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास समारोह के बल्लभगढ़ स्थित जनता कॉलोनी में आयोजित जिला स्तरीय लाइव प्रसारण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर लोगों को संबोधित कर रहे थे।रिवहन मंत्री ने कहा कि आज रेवाड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के 22वें एम्स का शिलान्यास किया जा रहा है। इसके उद्घाटन के पश्चात आमजन, खासकर दक्षिण हरियाणा व राजस्थान के सीमा क्षेत्र में रहने

वाले लोगों को बहुत लाभ प्राप्त होगा। हमारे देश-प्रदेश के युवा, जो डॉक्टर बनने का सपना देखते हैं, उन्हें भी इस सपने को साकार करने में आसानी होगी।

राजनीतिक व्यक्ति अपने भाषण में जाति, धर्म से संबंधित शब्दों का नहीं कर सकेगा प्रयोग

चंडीगढ़. हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने कहा कि लोकसभा के आमचुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। वे शुक्रवार को यहां आदर्श आचार संहिता के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को अपने घोषणा पत्र जारी करने के तीन दिन के अंदर चुनाव घोषणा-पत्र की तीन कापियां मुख्य निर्वाचन अधिकारी के चंडीगढ़ कार्यालय में जमा करवानी होंगी।

अग्रवाल ने बताया कि यदि किसी भी राजनीतिक दल को कोई रैली या रोड-शो का काफिला निकालना है तो उसकी अनुमति संबंधित जिला अथॉरिटी से लेनी जरूरी है। उन्होंने बताया कि यदि कोई राजनीतिक दल रोड शो का काफिला निकलता है तो उससे रोड जाम नहीं होना चाहिए और जहां पर अस्पताल व ट्रामा सेंटर होगा वहां से कोई भी राजनीतिक पार्टी रोड शो का काफिला नहीं निकाल सकेगी। रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर का प्रयोग नहीं किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा किसी भी रेस्ट हाउस, डाक बंगलों और सरकारी मकान का प्रयोग नहीं किया जाएगा।

कोई भी राजनीतिक व्यक्ति अपने भाषण में जाति, धर्म से संबंधित शब्दों को प्रयोग नहीं कर सकेगा और राजनीतिक दल अपने बैनर पर मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा व चर्च की फोटो का प्रयोग भी नहीं कर सकेगा। इलेक्शन एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग टीम जिला स्तर पर बनाई है, जो उम्मीदवार के कार्यक्रमों पर विभिन्न प्रकार से नजर रखेगी।

सफाई, रोडवेज कर्मियों ने दिया धरना

अम्बाला शहर. केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, संयुक्त किसान मोर्चा आदि द्वारा सरकार की मजदूर किसान और कर्मचारियों नीतियों के खिलाफ आहूत राष्ट्रव्यापी हड़ताल का अम्बाला में सामान्य जनजीवन पर कोई खास असर नहीं हुआ। चक्का जाम की कोशिशें बेकार रहीं, प्रशासन ने रोडवेज की बसों को चलाने का काम किया। नगर नगम पर सफाई कर्मियों ने हड़ताल पर रहते हुए धरना प्रदर्शन किया जबकि रोडवेज वर्कशाप के बाहर परिवहन नेता धरने पर बैठे। नगर निगम में सामान्य कामकाज रहा, तहसील सहित स्वास्थ्य, बैंकों, केंद्रीय कार्यालयों आदि में भी कामकाज सामान्य दिनों की तरह ही चलता रहा। किसान आंदोलन की वजह से सड़कों व मार्केटों में पहले से ही सन्नाटा पसरा हुआ है। बाद में आयशा वर्करों ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट शशिकांत को मांगों का ज्ञापन सौंपा।

हड़ताल के दौरान सफाई कर्मियों ने कोई कामकाज नहीं किया। तहसील में रजिस्टरियां नहीं हुईं लेकिन स्टाफ काम पर रहा। पटवारी हड़ताल पर रहे। एसडीएम

कार्यालय का कामकाज रुटीन में चलता रहा। लगभग हर विभाग में कामकाज सामान्य रूप से ही होता रहा। बिजली, पानी, कृषि, पालीटेक्निक, आईटीआई में कामकाज समान्य रहा। प्रशासन पूरी तरह हड़ताल पर नजर रखे हुए था, कहीं से किसी गिरफ्तारी अथवा गड़बड़ का समाचार नहीं है। हालांकि यूनियन नेताओं का दावा हड़ताल का 100 प्रतिशत कामयाब होने का रहा। बैंक यूनियन के राष्ट्रीय पदाधिकारी राजेश बंसल ने बताया कि सभी बैंकों में सामान्य कामकाज ही हुआ है। केंद्रीय ट्रेड यूनियन की हड़ताल रही जिसकी अध्यक्षता सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान राम बोहत, कर्मचारी महासंघ से प्रधान जयवीर, रिटायर कर्मचारी संघ से प्रधान नंदन सिंह रावत, आशा वर्कर यूनियन से सर्वजीत, मिड डे मील वर्कर यूनियन से सोनिया की रही। मंच का संचालन सर्व कर्मचारी संघ से उपप्रधान महावीर पाई ने किया। तय प्रोग्राम अनुसार आज अम्बाला डिपो के कर्मचारियों द्वारा बसों को रोककर चक्का जाम करने का प्रयास किया गया। आज सुबह 2 बजे से कर्मशाला गेट, अम्बाला कैंट में जयवीर घणघस, रविंदर राणा, बिजेन्दर जांगड़ा, आनन्द कुण्डू, रमेश श्योकंद, महाबीर पाई के नेतृत्व पहुंचकर चक्का जाम की कोशिश की गई । इसके बावजूद दर्जनों बसें रुटीन में सड़कों पर उतरीं। हड़ताली कर्मचारी 11 बजे रोडवेज वर्कशॉप के बाहर इकट्ठे हुये जहां कर्मचारियों ने प्रदर्शन करके सरकार के प्रति विरोध दर्ज करवाते हुये नारेबाजी और उपायुक्त कार्यालय पहुंचे । पारेबाजी करते हुए कर्मचारियों ने अपना विरोध दर्ज करवाया और प्रदर्शन को समाप्त किया।

आज के प्रदर्शन को संघ के जॉइंट सचिव रविंदर, नगर निगम से शंकर पामा, आशा वर्कर यूनियन से सर्वजीत, मिड डे वर्कर यूनियन से ललिता, बिजली से विनोद, पब्लिक हेल्थ से अशोक वर्मा, रंजीत सिंह, रिटायर कर्मचारी संघ से करनैल सिंह आदि कर्मचारी नेताओं ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश आज के भारत बंद से सबक ले और कर्मचारियों की मांगों को लागू करने के परिपत्र जारी करे अन्यथा प्रदेश का कर्मचारी आने वाले चुनाव में वोट की चोट करके सरकार को सबक सिखाएगा।

देश की संस्कृति, साइंस को आगे बढ़ा रही सरकार : अजय भट्ट

कुरुक्षेत्र. देश की संस्कृति और साइंस को आगे बढ़ाने का संकल्प लेकर केंद्र सरकार कार्य कर रही है। इस देश की संस्कृति को संरक्षित करने के लिए ही गीता स्थली ज्योतिसर कुरुक्षेत्र जैसी धरोहर को सहेजने के लिए ज्योतिसर अनुभव केंद्र जैसे प्रोजेक्ट की सौगात दी गई, वहीं केंद्र सरकार के प्रयासों से ही भारत ने चंद्रमा पर भी अपना शोध शुरू कर दिया है। यह देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनेगा। ये उद्गार केंद्रीय रक्षा व पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने शुक्रवार को गीता स्थली ज्योतिसर में हरियाणा पर्यटन विभाग की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में कहे। इससे पहले केंद्रीय राज्य मंत्री अजय भट्ट, हरियाणा पर्यटन मंत्री कंवर पाल, स्वामी ज्ञानानंद, विधायक सुभाष सुधा, हरियाणा पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव एमडी सिन्हा, महामंडलेश्वर डॉ. शाश्वतानंद महाराज, महंत बंसीपुरी, साक्षी गोपाल ने पवित्र ग्रंथ गीता का पूजन कर और दीपशिखा प्रज्वलित करके विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके उपरांत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेवाड़ी से ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से ज्योतिसर अनुभव केंद्र का उद्घाटन किया। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि आज पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है।

हरियाणा के पर्यटन मंत्री कंवरपाल ने कहा कि कुरुक्षेत्र को पर्यटन हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। स्वामी ज्ञानानंद ने कहा कि सरकार के प्रयासों से कुरुक्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। विधायक सुभाष सुधा ने ज्योतिसर अनुभव केंद्र की सौगात देने पर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में महामंडलेश्वर डॉ. शाश्वतानंद महाराज, साक्षी गोपाल महाराज, महंत बंसीपुरी महाराज ने भी अपने विचार रखे।

हरियाणा पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव एमडी सिन्हा ने ज्योतिसर अनुभव केंद्र प्रोजेक्ट पर विकसित प्रकाश डाला। इस मौके पर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार भारत भूषण भारती, उपायुक्त शांतनु शर्मा, एडीसी डा. वैशाली शर्मा, हरियाणा डेयरी एवं पशुधन विकास बोर्ड के चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर, भाजपा के जिलाध्यक्ष रवि बतान, पूर्व सांसद कैलाशो सैनी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

लाभार्थी सम्मानित

केंद्रीय रक्षा व पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट, हरियाणा के पर्यटन मंत्री कंवरपाल व विधायक सुभाष सुधा ने आज बनी 568 पेंशन लाभार्थियों में से बिशनी, सतीश कुमार, जीत राम, शिव कुमार, प्रेम दास, सुरजभान, मेवा देवी, कृष्ण लाल, सुरेश कुमार को प्रमाण पत्र दिया। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के 8 लाभार्थियों को 11 लाख रुपये का चेक दिया। मनरेगा योजना के तहत 100 दिन का रोजगार पूरा करने वाले 19 लाभार्थियों को भी सम्मानित किया।

प्रगति के पथ पर नये आयाम स्थापित कर रहा हरियाणा : रणबीर गंगवा

चरखी दादरी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को रेवाड़ी में एम्स समेत विभिन्न परियोजनाओं के शिलान्यास व शुभारंभ के अवसर पर भाजपा द्वारा बाढड़ा और दादरी में भी कार्यक्रम आयोजित किए गये। बाढड़ा में आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा बतौर मुख्यातिथि और भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुखविंद्र सिंह मांढी विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

वहीं, दादरी में हुए कार्यक्रम में विधायक सोमबीर सांगवान बतौर मुख्यातिथि पहुंचे। नपा चेयरमैन बख्शी राम सैनी, जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. किरण कलकल और जिला उपाध्यक्ष राजेश बंटी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल मार्गदर्शन में देश और हरियाणा निरंतर प्रगति के पथ पर नये आयाम स्थापित कर रहा है। पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को लाभ पहुंचाने की जो कोशिश सरकार द्वारा लगातार की जा रही है, वह सार्थक सिद्ध हो रही है। कार्यक्रम में उपायुक्त मंदीप कौर सहित कई प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा पूर्व जिला प्रधान राम किशन शर्मा, सुधीर चांदवास इत्यादि भी उपस्थित रहे।

मंदी में फंसा जापान, भारत को नहीं करना होगा लंबा इंतजार, इसी साल बन सकता है चौथी बड़ी इकॉनमी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनमी बनाने का लक्ष्य रखा है। उनका यह लक्ष्य जल्दी ही पूरा हो सकता है। इसकी वजह यह है कि जापान की इकॉनमी मंदी की चपेट में आ चुकी है जबकि यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी जर्मनी संघर्ष कर रही है। अभी भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी है। उससे आगे अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान हैं। जर्मनी ने हाल में जापान को पछाड़कर तीसरा स्थान हासिल किया है। पहले माना जा रहा था कि भारत 2026 में जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी बड़ी इकॉनमी बन जाएगा।

लेकिन अब भारत और जापान की इकॉनमी में अब मामूली अंतर रह गया है। इसलिए जापान से आगे निकलने के लिए भारत को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इसी साल भारत उससे आगे निकल सकता है।

पिछले साल जापान की इकॉनमी 1.9 फीसदी की रफ्तार से बढ़ी लेकिन इसके बावजूद वह जर्मनी से पिछड़ गया। डॉलर टर्म में जापान की इकॉनमी 4.2 ट्रिलियन डॉलर पर है जबकि जर्मनी की इकॉनमी का साइज 4.5 ट्रिलियन डॉलर है। किसी जमाने में जापान अमेरिका को पछाड़ने के बेहद करीब पहुंच गया था लेकिन 1990 के दशक में उसकी इकॉनमी में ठहराव आ गया था। साल 2010 में जापान को पछाड़कर चीन दुनिया की दूसरी इकॉनमी बन गया और आज उसका साइज जापान से करीब चार गुना बड़ा है। वहीं यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी जर्मनी को भी कई मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ रहा है। यहां तक कि उसे यूरोप का बीमार भी कहा जाने लगा है।

चार आईपीओ और सात लिस्टिंग, अगले हफ्ते कमाई का दमदार मौका

नई दिल्ली. आईपीओ मार्केट में अगले हफ्ते फिर धूमधड़ाका होने वाला है। इस हफ्ते चार आईपीओ हिट हो रहे हैं जबकि सात आईपीओ की लिस्टिंग होगी। अगले हफ्ते मैनबोर्ड कैटगरी में दो और एसएमई सेगमेंट में दो इश्यू आ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि इस साल आईपीओ बाजार में काफी चहल-पहल देखने को मिलेगी। इसकी वजह यह है कि डोमेस्टिक कैपिटल बढ़ रही है, गवर्नेंस में सुधार हो रहा है और संस्थागत निवेशक ज्यादा एक्टिव हो गए हैं। इन कारणों से आने वाले दिनों में आईपीओ की भरमार देखने को मिल सकती है। पिछले हफ्ते दो आईपीओ खुले थे। इसमें से एक विभोर स्टील की अगले हफ्ते लिस्टिंग होगी। साथ ही छह और कंपनियों की अगले हफ्ते लिस्टिंग होगी। इनमें एसएमई सेगमेंट की कंपनियां भी शामिल हैं।

जुनिपर होटल्स

अगले हफ्ते मैनबोर्ड सेगमेंट में दो कंपनियां अपना आईपीओ ला रही हैं। इनमें जूनिपर होटल्स (Juniper Hotels) और जीपीटी हेल्थकेयर (GPT Healthcare) शामिल हैं। हयात ब्रांड के होटल चलाने वाली कंपनी जूनिपर होटल्स का आईपीओ 21 फरवरी को खुलेगा 23 फरवरी को बंद होगा। इसके जरिए कंपनी का 1,800 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। इसके लिए प्राइस बैंड 342-360 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। संस्थागत निवेशकों को आईपीओ का 75 हिस्सा मिलेगा, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों और खुदरा निवेशकों को क्रमशः 15त्न और 10त्न हिस्सा आवंटित किया जाएगा। कंपनी 1,500 करोड़ रुपये का इस्तेमाल उधार चुकाने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी।

जीपीटी हेल्थकेयर

इसी तरह कोलकाता की कंपनी जीपीटी हेल्थकेयर (GPT Healthcare) का इश्यू 22 फरवरी को खुलेगा और 26 फरवरी को बंद होगा। इस आईपीओ के लिए प्राइस बैंड अभी तक घोषित नहीं किया गया है। इसमें 40 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे जबकि ओएफएस के जरिए 2.6 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री की जाएगी। कंपनी इस इश्यू से जुटाए गए धन का उपयोग उधार चुकाने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। जीपीटी हेल्थकेयर वर्तमान में चार मल्टी-स्पेशिएलिटी अस्पतालों को ऑपरेट करती है।

160 किमी की रफ्तार से दौड़ रही थी वंदे भारत और अचानक मिल गया रेड सिग्नल... फिर क्या हुआ

नई दिल्ली. देश में पहली बार वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का शुक्रवार को कवच टेस्ट किया गया। आगरा रेलवे डिवीजन ने स्वदेशी रूप से विकसित टक्कर रोधी उपकरण कवच के तहत आठ डिब्बों वाली वंदे भारत ट्रेन में स्थापित स्वचालित ब्रेकिंग सिस्टम का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अभी देश में 34 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चल रही हैं। यह ट्रेन 180 किमी प्रति घंटे की स्पीड से चलने में सक्षम है लेकिन अभी इन्हें कम स्पीड के साथ चलाया जा रहा है। अभी इन्हें शताब्दी के रूट पर चलाया जा रहा है लेकिन जल्दी ही इसका स्लीपर वर्जन भी उतारने की तैयारी है। इस ट्रेन को राजधानी के रूट पर चलाया जाएगा।

आगरा रेलवे डिवीजन की जनसंपर्क अधिकारी (PRO) प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि पहले परीक्षण में लोको पायलट ने ब्रेक नहीं लगाया, फिर भी 160 किमी प्रति घंटे की गति से चल रही ट्रेन रेड सिग्नल से 10 मीटर पहले स्वचालित रूप से थम गई। यह मानक अब देश में आठ डिब्बों वाली सभी वंदे भारत ट्रेन में आजमाया जाएगा। सभी वंदे भारत ट्रेन में कवच प्रणाली लगी हुई है जो किसी भी कारण से लोको पायलट के कार्य नहीं कर पाने की स्थिति में खुद ब्रेक लगा सकती है। चूंकि इस प्रणाली को एक साथ काम करने के लिए कई अन्य घटक जैसे स्टेशन कवच, ट्रैक की पूरी लंबाई में आरएफआईडी टैग और पटरी के साथ कवच टावर की आवश्यकता होती है, इसलिए भारतीय रेलवे परिचालन सुरक्षा बढ़ाने के लिए अपने नेटवर्क में इन घटक को लागू करने की प्रक्रिया में है।

पालतू जानवरों का भी होता है बीमा, जानिए यह क्यों कराना चाहिए

नई दिल्ली.(एजेंसी) जैसे किसी व्यक्ति का जीवन अनिश्चित है, उसी तरह किसी पालतू जानवर का जीवन भी अनिश्चित है। जैसे हमें-आपको किसी बीमारी या अनहोनी का डर लगा रहता है, वैसे ही पालतू जानवरों को भी यह डर सताता है। उसके साथ कोई दुर्घटना हो सकती है। वह बीमार हो सकता है। ऐसे में आपके काम आता है पेट इंश्योरेंस। पेट इंश्योरेंस के बारे में हमे बता रहे हैं बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के चीफ टेक्निकल ऑफिसर, टी ए रामालिंगम...

पालतू जानवर हमारे जीवन के अभिन्न अंग

पालतू जानवर हमारे जीवन में एक अमूल्य भूमिका निभाते हैं, जो किसी परिवार के मेम्बर की तरह दिन भर साथ रहते हैं, अटूट वफादारी का परिचय देते हैं और हमारे दुख सुख के साथी होते हैं। हमारे परिवार के लाडले सदस्यों के जैसे हम उनकी भलाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं और हम हमेशा

उन्हें सुरक्षित और स्वस्थ रखने का भी प्रयास करते हैं। हालांकि, होनी अनहोनी वाली स्थितियां किसी भी समय सामने आ सकती हैं। आपके पालतू जानवर के साथ भी कोई दुर्घटना घट सकती है या वह बीमार पड़ सकता है। जब आप पालतू जानवरों के मेडिकल केयर से संबंधित खर्चों पर नजर डालते हैं तो यह स्पष्ट हो जाता है कि उनका बीमा न होने से भी आपके जेब पर असर पड़ सकता है। यहीं पर पालतू जानवरों के बीमे की बात आती है जो मालिकों को वित्तीय सुरक्षा और मन की शांति प्रदान करता है।

पालतू पशुओं के बीमा में क्या मिलता है

पालतू पशु मालिकों या जो लोग जल्द ही एक पालतू जानवर लेने पर विचार कर रहे हैं, उनके लिए पालतू पशु बीमा की मूल बातें समझना आवश्यक है। आमतौर पर, इसके कवरेज में आपके पालतू जानवर के साथ होने वाली दुर्घटनाओं या बीमारियों के लिए चिकित्सा व्यय शामिल होता है।

विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी गिरावट, 5.24 बिलियन डॉलर घटकर 617.23 अरब डॉलर पर गया फॉरेक्स रिजर्व

बिजनेस डेस्क. विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी गिरावट आई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने डेटा जारी कर बताया है कि 9 फरवरी 2024 को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 5.24 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है जबकि इसके पहले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार में 5.73 बिलियन डॉलर का उछाल देखने को मिला था। आरबीआई ने शुक्रवार 16 फरवरी, 2024 को विदेशी मुद्रा भंडार का आंकड़ा जारी किया है। इस डेटा के मुताबिक विदेशी मुद्रा भंडार 5.24 बिलियन डॉलर घटकर 617.23 बिलियन डॉलर पर जा पहुंचा है जो इसके पहले हफ्ते में 622.469 बिलियन डॉलर रहा था। आरबीआई के डेटा के मुताबिक विदेशी करेंसी एसेट्स में भी भारी कमी आई है। विदेशी करेंसी एसेट्स 4.80 अरब डॉलर की कमी के साथ 546.52 बिलियन डॉलर पर आ गया है।आरबीआई के गोल्ड रिजर्व में गिरावट देखने को मिली है। आरबीआई का गोल्ड रिजर्व 350 मिलियन डॉलर की कमी के साथ 47.73 बिलियन डॉलर पर आ गया है।

एसडीआर में भी गिरावट आई है और ये घटकर 55 मिलियन डॉलर घटकर 18.13 बिसियन डॉलर रहा है। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड (IMF) में जमा रिजर्व में भी गिरावट आई है और ये 28 मिलियन डॉलर की कमी के साथ 4.82 बिलियन डॉलर रहा है।16 फरवरी 2024 को करेंसी मार्केट में डॉलर के मुकाबले रुपए में मजबूती देखने को मिली है। एक डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे की मजबूती के साथ 83.01 के लेवल पर क्लोज हुआ है जो कि एक ट्रेडिंग सेशन पहले 83.05 रुपए के लेवल पर क्लोज हुआ था।विदेशी करेंसी एसेट्स में तब बड़ा बदलाव देखने को मिलता है जब आरबीआई करेंसी मार्केट्स में घरेलू करेंसी को स्टेबल करने के लिए दखल देता है। करेंसी मार्केट्स में हस्तक्षेप के चलते विदेशी करेंसी एसेट्स में बढ़ोतरी या फिर गिरावट आती है.

अनक्लेम्ड FD का पूरा पैसा अकाउंट में आएगा वापस, बस फॉलो करने होंगे ये स्टेप्स

नई दिल्ली. एफडी निवेश का बेहतरीन विकल्प माना जाता है। मैच्योरिटी के बाद एफडी का पैसा क्लेम किया जा सकता है। हालांकि, कई बार ऐसा होता है जब कुछ एफडी मैच्योरिटी के बाद अनक्लेम्ड रह जाती हैं।

तीन महीने के भीतर ट्रांसफर होता है पैसा

क्या आप जानते हैं अगर एफडी मैच्योरिटी के बाद 10 साल या उससे ज्यादा समय तक अनक्लेम्ड है तो इसकी राशि तुरंत पाई जा सकती है।नियमों के अनुसार बैंक को अनक्लेम्ड एफडी की राशि डिपॉजिटर्स एजुकेशन एंड अवेयरनेस फंड में ट्रांसफर करनी होती है। यह राशी तीन महीने के भीतर-भीतर ही ट्रांसफर करनी होती है।अगर आप ने भी एफडी करवाई थी, लेकिन मैच्योरिटी के वर्षों बाद भी राशि नहीं ली है तो तुरंत बैंक से संपर्क करना होगा। इसके लिए एक आसान से प्रोसेसर को फॉलो करना होता है।

अनक्लेम्ड एफडी की राशि ऐसे करें क्लेम

सबसे पहले संबंधित बैंक से संपर्क करना होगा।अब बैंक में एफडी की रसीद, पहचान के लिए पैन कार्ड, आधार कार्ड देना होगा।अब बैंक को अपनी केवाईसी (Know Your Customer) जानकारियां सत्यापित करवाएं।वेरिफिकेशन प्रक्रिया सफल होने के बाद संबंधित बैंक एफडी क्लेम को प्रोसेस करेगा।प्रक्रिया पूरी होने के बाद अनक्लेम्ड एफडी की राशि आपके अकाउंट में जमा कर दी जाएगी।

कैसे खोजें अनक्लेम्ड एफडी

अनक्लेम्ड एफडी को लेकर बैंक खुद आपको जानकारी देता है। आप अनक्लेम्ड एफडी को केंद्रीय बैंक आरबीआई के उद्गम पोर्टल पर अपनी जानकारियां (नाम, पैन कार्ड नंबर, अकाउंट नंबर, पता) दर्ज कर खोज सकते हैं।

एफडी को अनक्लेम्ड होने से कैसे बचाएं

एफडी अगर आप अपने परिवार के किसी सदस्य या जीवनसाथी के साथ संयुक्त एफडी अकाउंट खुलवाते हैं तो एफडी को अनक्लेम्ड होने से बचाया जा सकता है।

अगर आप भी क्रिप्टोकरेंसी में पैसा लगाते हैं तो हो जाइए सावधान! RBI ने दी चेतावनी

बिजनेस डेस्क.

क्रिप्टोकरेंसी में पैसा लगाने वाले लोगों को यह खबर बड़ा झटका दे सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के कार्यकारी निदेशक पी वासुदेवन ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी को 'मुद्रा' नहीं माना जा सकता है क्योंकि इनका अपना कोई मूल्य नहीं है। वासुदेवन ने भारतीय प्रबंध संस्थान-कोझिकोड के एक कार्यक्रम में कहा, क्रिप्टो मुद्राओं को 'मुद्रा' नहीं कहा जा सकता क्योंकि उनका कोई अंतर्निहित मूल्य नहीं है।उन्होंने कहा कि आखिरकार यह फैसला सरकार को लेना है कि क्रिप्टो मुद्राओं से किस तरह निपटा जाए। आरबीआई ने बिटकॉइन जैसी नए जमाने की क्रिप्टो मुद्राओं को लेकर आलोचनात्मक रुख अपनाया हुआ है।

उसका कहना है कि ये मुद्राएं वित्तीय प्रणालियों के लिए प्रणालीगत जोखिम पैदा करती हैं।

'बिटकॉइन को देश में कानूनी समर्थन नहीं'

वर्तमान में, बिटकॉइन को भारत में कोई कानूनी समर्थन नहीं है और निवेशकों को इसमें कारोबार से अर्जित आय पर कर देना पड़ता है। पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ नियामकीय कार्रवाई और कुछ अंतरराष्ट्रीय कार्ड प्रदाताओं पर लगाए गए प्रतिबंधों पर वासुदेवन ने कहा कि स्व-नियमन वित्त-प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बेहतर सुरक्षा कर सकता है। इससे पहले RBI गवर्नर शक्तिकांत दास भी कह चुके हैं कि क्रिप्टोकरेंसी में निवेश बहुत जोखिम भरा है। उनका कहना है कि क्रिप्टोकरेंसी को लेकर रिजर्व बैंक का स्टैंड नहीं बदलेगा।पिछले साल भी गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि क्रिप्टो संपत्तियों पर आरबीआई प्रतिबंधों में कोई ढील नहीं दी जाएगी।

आरबीआई ने क्रिप्टोकरेंसी से हमेशा सभी देशों की आर्थिक स्थिरता को गंभीर खतरा बताया है। इसलिए इसके जोखिम को देखते हुए इस पर पहले लगाया बैन हटाया नहीं जाएगा।

अमेरिका और चीन के बाद डिजिटलीकरण को अपनाने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बना भारत

बिजनेस डेस्क. एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक रैंकिंग में सुधार के साथ अब भारत जी20 देशों में अमेरिका और चीन के बाद डिजिटलीकरण को अपनाने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। डिजिटलीकरण ने प्रगति की है लेकिन जिस तरह से इसे विश्व स्तर पर मापा जा रहा है, उसमें प्रगति नहीं हुई है।अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंधों पर भारतीय अनुसंधान परिषद और वैश्विक उपभोक्ता इंटरनेट समूह प्रोसस की रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकांश वैश्विक सूचकांक भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की स्थिति 2024 के अनुसार विकासशील देशों के अपनाए गए डिजिटलीकरण के मार्ग को पूरी तरह से नहीं अपना पाते हैं।नैसकॉम के अध्यक्ष देबजानी घोष ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा, दुनिया अभी भी वास्तव में नहीं समझ पाई है कि प्रौद्योगिकी ने भारतीयों के दैनिक जीवन में खुद को कैसे शामिल कर लिया है, जो मेरे लिए वास्तविक डिजिटल अर्थव्यवस्था है। भारत वास्तव में एक डिजिटल मूल देश है, इस प्रौद्योगिकी को न केवल युवा अपना रहे हैं बल्कि बुजुर्ग भी इसमें पीछे नहीं हैं। उन्होंने कहा, ÷जब आप भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के बारे में सोचते हैं,

तो आपको प्रभाव और आजीविका के नजरिए से सोचना चाहिए।रिपोर्ट ने जी20 देशों के साथ-साथ भारतीय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के संबंध में भारत के डिजिटल परिवर्तन के पैमाने और गहराई को निर्धारित किया। यह दृष्टिकोण भारत जैसे विकासशील देशों के लिए अनुकूल है क्योंकि यह डिजिटलीकरण द्वारा उत्पन्न अवसरों और जोखिमों दोनों को पकड़ता है।

आईसीआरआईईआर-प्रोसस सेंटर फॉर इंटरनेट एंड डिजिटल इकोनॉमी (आईपीसीआईडीई) की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक सूचकांकों के विपरीत यह दो अलग-अलग सूचकांकों का प्रस्ताव करके अर्थव्यवस्था के व्यापक स्तर पर नेटवर्क के पैमाने और प्रौद्योगिकी के उपयोग की चौड़ाई को पहचानता है, एक अर्थव्यवस्था के व्यापक स्तर पर डिजिटलीकरण को मापने के लिए और दूसरा उपयोगकर्ता-स्तर है।आईसीआरआईईआर के चेयरपर्सन प्रमोद भसीन ने कहा, ÷नवाचार, सरकारी सहायता, वित्तीय पहुंच और कौशल के मामले में पहले ही बड़ी मात्रा में काम किया जा चुका है। एक उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में भारत ने वास्तव में डिजिटल युग में छलांग लगा दी है।÷ 700 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं के साथ भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा इंटरनेट नेटवर्क है। अक्टूबर 2022 में लॉन्च होने के बाद, इसने 5जी के सबसे तेज रोलआउट में से एक भी देखा है।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक रैंकिंग में सुधार के साथ अब भारत जी20 देशों में अमेरिका और चीन के बाद डिजिटलीकरण को अपनाने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। डिजिटलीकरण ने प्रगति की है लेकिन जिस तरह से इसे विश्व स्तर पर मापा जा रहा है, उसमें...

जी20 की अध्यक्षता के दौरान, भारत को सार्वजनिक सेवाओं की बड़े पैमाने पर डिलीवरी के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का उपयोग करने के चैंपियन के रूप में मान्यता दी गई थी। इसने आधार प्रणाली के माध्यम से 1.3 बिलियन से अधिक बायोमीट्रिक आईडी जारी किए हैं। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत में 83 बिलियन से अधिक यूपीआई लेनदेन हुए, जो किसी देश के लिए वास्तविक समय डिजिटल भुगतान की सबसे अधिक मात्रा है, इसके बाद चीन और ब्राजील हैं।

Paytm यूजर्स के लिए राहत भरी खबर, अब 15 मार्च के बाद नहीं होगी परेशानी!

बिजनेस डेस्क. मुसीबतों में फंसी पेटीएम ने अपने नोडल अकाउंट यानी मुख्य खाते को पेटीएम पेमेंट्स बैंक से एक्सिस बैंक में शिफ्ट कर दिया है। पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने शुक्रवार शाम को शेयर बाजार को इसकी सूचना दी। आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक की सेवाओं पर 29 फरवरी के बाद रोक लगाने का फैसला किया था। हालांकि अब इसमें 15 दिन की मोहलत दी गई है लेकिन इस बीच पेटीएम ने अपने नोडल (मुख्य) खाते को पेटीएम पेमेंट्स बैंक से एक्सिस बैंक में शिफ्ट कर दिया है। पेटीएम का नोडल अकाउंट एक मास्टर खाते की तरह है जिसमें उसके सभी ग्राहकों और व्यापारियों के लेनदेन का निपटान किया जाता है। कंपनी ने यह कदम पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खातों में जमा एवं लेनदेन 15 मार्च के बाद रोकने के आरबीआई के निर्देशों के बाद उठाया है।

पेटीएम अपनी सहयोगी इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) के पास अपने मुख्य खाते का संचालन करती रही है लेकिन आरबीआई की सख्ती के बाद पेटीएम के सुचारू संचालन को लेकर भी सवाल उठने लगे थे लेकिन वन97 कम्युनिकेशंस के मुख्य खाता हटाकर एक्सिस बैंक के पास ले जाने से स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हो गई है। इस कदम से 15 मार्च के बाद भी पेटीएम क्यूआर, साउंडबॉक्स और कार्ड मशीन की निरंतरता को अनुमति मिल जाएगी। पेटीएम ने बयान में कहा, कंपनी ने पहले की तरह दुकानदारों के निर्बाध लेनदेन को जारी रखने के लिए अपने मुख्य खाते को एक्सिस बैंक में (एक एस्क्रो खाता खोलकर) स्थानांतरित कर दिया है। इस व्यवस्था से नए खाते के पेटीएम पेमेंट्स बैंक के साथ जुड़े खाते की जगह लेने की उम्मीद है।

15 मार्च के बाद क्या होगा

कंपनी ने कहा कि वन97 कम्युनिकेशंस के पूर्ण-स्वामित्व वाली सहयोगी कंपनी पेटीएम पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) पहले से ही एक्सिस बैंक की सेवाओं का उपयोग कर रही है। इसके पहले आरबीआई ने कहा कि पेटीएम क्यूआर कोड, पेटीएम साउंडबॉक्स या पेटीएम पीओएस टर्मिनल अगर पीपीबीएल के बजाय अन्य बैंकों से जुड़ जाते हैं तो वे 15 मार्च के बाद भी काम करना जारी रखेंगे।

आरबीआई ने शुक्रवार को पेटीएम पेमेंट्स बैंक के बारे में एफएक्यू जारी किया। इसके मुताबिक 15 मार्च 2024 के बाद ग्राहक खातों, प्रीपेड इंस्ट्रूमेंट्स, वॉलेट, फास्टैग, नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड आदि में कोई और जमा, क्रेडिट लेनदेन या टॉप-अप की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, ग्राहक अभी भी ब्याज, कैशबैक, पार्टनर बैंकों से स्वीप-इन या किसी भी समय रिफंड प्राप्त कर सकते हैं।

पिता की इच्छा को बनाया सपना, कठिन डगर पर चलकर बनी डाक्टर

ग्वालियर। डाक्टर बनने की मंजिल बहुत दूर थी, लेकिन पिता की इच्छा को सपना बनाकर चुनौतियों से लोहा लिया और मेहनत के बल पर स्वेच्छा ने अपने नाम के आगे डाक्टर लगाकर सपना साकार कर सभी को चौंका दिया था। अब वह शहर की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ के साथ ठाटीपुर सिविल डिस्पेंसरी की प्रभारी हैं। नाम ही काफी है में हम बात कर रहे हैं डा. स्वेच्छा मिश्रा की। डा. मिश्रा बताती हैं कि उनके पिता ज्ञानेन्द्र दंडोतिया स्वयं डाक्टर बनना चाहते थे, लेकिन वह डाक्टर नहीं बन सके। उनकी इच्छा थी कि उनकी बेटियां डाक्टर बने। पिता की इच्छा पूरी करने के लिए मेडिकल की पढ़ाई शुरू की। पीएमटी परीक्षा पास कर गांधी मेडिकल कालेज भोपाल से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की और गजराराजा मेडिकल कालेज से पीजी कर गायनिक विशेषज्ञ बन गई।डा. स्वेच्छा ने रीवा जिला अस्पताल में वर्ष 2011 से 2014 तक अपनी सेवाएं दीं। इसके बाद उनका स्थानांतरण जिला अस्पताल मुरार में हो गया। काम के प्रति ईमानदारी की मिसाल देने वाली डा. स्वेच्छा को ठाटीपुर सिविल डिस्पेंसरी का प्रभारी बना दिया। अब वह ठाटीपुर सिविल अस्पताल में पदस्थ रहकर अपनी सेवाएं दे रही हैं। डा. स्वेच्छा ने बेहतर काम कर कम उम्र में यह मुकाम पाया है। वह मरीजों को हमेशा अच्छे ढंग से ट्रीट करती हैं। उनका कहना है कि डिलेवरी का कोई समय नहीं होता। ऐसे में अगर रात में कोई केस आता है तो डिस्पेंसरी पहुंचना पड़ता है। मरीज का उपचार पहली प्राथमिकता होती है।

डा. स्वेच्छा मिश्रा

आइएएस बनने का भी मन में आया था ख्याल–डाक्टर बनकर स्वेच्छा ने पिता की इच्छा पूरी कर दी। डाक्टर बनने के बाद पिता ज्ञानेन्द्र दंडोतिया ने स्वेच्छा को आइएएस बनने के लिए प्रेरित किया। स्वेच्छा के मन में आइएएस की तैयारी करने का ख्याल आया, लेकिन उन्होंने डाक्टरी को ही अपना लिया। ठाटीपुर सिविल डिस्पेंसरी में डा. स्वेच्छा न केवल प्रभारी का दायित्व अच्छी तरह से निभा रही हैं बल्कि गायनिक विशेषज्ञ होने के नाते महिला मरीजों की देखभाल भी कर रही हैं।

कायाकल्प अभियान में डिस्पेंसरी को दिलाए अवार्ड–कायाकल्प अभियान के मापदंडों को पूरा करने के लिए डा. स्वेच्छा मिश्रा ने डिस्पेंसरी में न केवल व्यवस्थाओं में सुधार कराया बल्कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराईं। इससे हुआ यह कि ठाटीपुर सिविल डिस्पेंसरी को कायाकल्प में दो अवार्ड मिले। वर्ष 2021 में डिस्पेंसरी को तीसरा और वर्ष 2022 में दूसरा स्थान मिला।

तीन के बजाय अब एक पैकेज में बनेगा ग्वालियर–आगरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस, 1343 करोड़ बढ़ी लागत

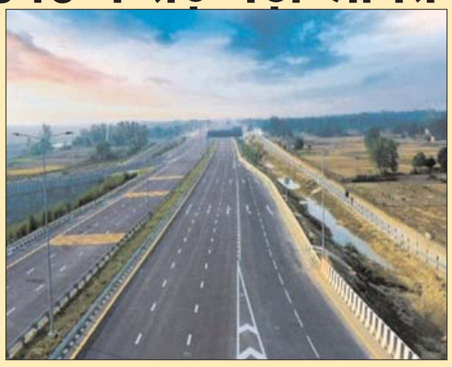

ग्वालियर। ग्वालियर से आगरा तक प्रस्तावित 88.40 किमी लंबे सिक्स लेन एक्सप्रेस वे को तीन के बजाय अब एक ही पैकेज में तैयार किया जाएगा। पूर्व में नेशनल हाइवे अथारिटी ऑफ इंडिया ने इसकी अनुमानित लागत 2500 करोड़ रुपये के आसपास तय की थी। इसे हाइब्रिड एन्यूटी मोड पर तैयार करने के लिए तीन पैकेज निर्धारित किए थे, लेकिन कंपनियों के रुचि नहीं लेने के कारण अब इसे एक ही पैकेज में सीधे 88.40 किमी का ठेका देने के टेंडर किए हैं।इसे बिल्ट आपरेट एंड ट्रांसफर यानी बीओटी बेसिस पर तैयार किया जाएगा। ऐसे में प्रोजेक्ट की लागत में भी वृद्धि हो गई है। अब एनएचएआइ ने इसके लिए 3841 करोड़ रुपये की राशि का टेंडर जारी किया है, जो आगामी 23 फरवरी को खोला जाएगा।

जारी किए गए थे 3 टेंडर–पूर्व में जारी किए गए टेंडर को एनएचएआइ ने आगरा से धौलपुर के बीच 36.800 किमी का पहला पैकेज 972.10 करोड़ रुपये का तय किया था। इसी प्रकार 36.800 से 51.200 किमी तक 14.40 किमी का दूसरा पैकेज 1012.38 करोड़ रुपये और 37.200 किमी लंबाई का तीसरा पैकेज 997.41 करोड़ रुपये का तय किया था। इसके लिए गत दिसंबर 2023 में तीन अलग-अलग टेंडर जारी किए गए थे।
हैम मोड में एनएचएआइ द्वारा कंपनियों को भुगतान किया जाना था और स्वयं टोल वसूल करना था, लेकिन स्टडी के दौरान यह सामने आया कि कंपनियां इस मोड पर काम करने की इच्छुक नहीं हैं। ऐसे में अब तीन पैकेज को मिलाकर एक ही टेंडर जारी किया है। यह बीओटी बेसिस पर होगा, जिसमें कंपनी खुद पैसा लगाकर निर्माण कार्य कराएगी।इसके बाद निर्माण की कुल लागत निकलने तक टोल टैक्स वसूल करेगी। इसमें एनएचएआइ गारंटर के तौर पर बैंकों से कंपनी को फाइनेंस उपलब्ध कराएगी। ऐसे में इस प्रोजेक्ट की लागत में भी 1343 करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि हुई है, क्योंकि फाइनेंस की प्रक्रिया सहित अन्य कागजी कार्रवाई में भी खर्चा होगा।

33 किमी कम होगी दूरी, एक घंटे में पहुंच सकेंगे आगरा–यह एक्सप्रेस वे तैयार होने के बाद आगरा की दूरी 33 किमी कम हो जाएगी। सिर्फ एक घंटे के अंदर आगरा पहुंचा जा सकेगा, जबकि नोएडा तक का सफर सिर्फ तीन घंटे में पूरा हो सकेगा। वर्तमान ग्वालियर-आगरा हाइवे की लंबाई लगभग 121 किमी है और यह फोरलेन है। यह हाइवे मुरैना और धौलपुर के आबादी क्षेत्रों से होता हुआ निकलता है, जिसके कारण जाम के हालात बने रहते हैं, साथ ही वाहनों की गति सीमा भी कम रहती है। ग्वालियर से आगरा तक पहुंचने में ही दो से ढाई घंटे का समय लग जाता है।नए सिक्स लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस के निर्माण की शुरूआत आगरा की ओर से की जाएगी। आगरा में निर्माणाधीन आउटर रिंग रोड से यह एक्सप्रेस वे जुड़ेगा। यह आगरा के 14, धौलपुर के 18 और मुरैना के 30 गांवों से गुजरता हुआ ग्वालियर से ग्राम सुसेरा में आकर समाप्त होगा। वर्तमान हाइवे और एक्सप्रेस वे के बीच की दूरी आठ किमी होगी।

चंबल नदी पर बनेगा सबसे बड़ा पुल और होंगे कई निर्माण–इस प्रोजेक्ट के तहत ग्वालियर से आगरा के बीच 47 पुलिया, चार छोटे और पांच बड़े पुल बनाए जाएंगे। इसके अलावा एक रेल ओवरब्रिज और दो फ्लाइओवर का भी निर्माण किया जाएगा। इसमें सबसे बड़ा पुल चंबल नदी पर बनाया जाएगा। इसके अलावा रास्ते में मुसाफिरों के रुकने और स्वल्पाहार आदि के लिए दो ट्रंपेट भी तैयार किए जाएंगे यानी कि मुख्य एक्सप्रेस वे से अलग रोड निकालकर साइड में शौचालय और रेस्टोरेंट-कैफे जैसी सुविधा रहेगी।

देशसेवा के लिए तैयार आरक्षक, बुनियादी प्रशिक्षण में कौशल दिखा जीते अवार्ड

ग्वालियर. । सीमा सुरक्षा बल के प्रशिक्षणार्थियों का दीक्षा परेड समारोह शनिवार को परेड स्थल सहायक प्रशिक्षण केंद्र टेकनपुर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सहायक प्रशिक्षण केंद्र टेकनपुर के महानिरीक्षक सूर्य प्रकाश तिवारी ने प्रशिक्षणार्थियों की दीक्षा परेड का निरीक्षण किया तथा शपथ दिलाई। इस दौरान प्रशिक्षण केंद्र के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, अन्य कार्मिक तथा प्रशिक्षणार्थियों के अभिभावक उपस्थित रहे। परेड के दौरान प्रशिक्षणार्थियों का प्रदर्शन, टर्नआउट एवं जोश सराहनीय था। पूरे बुनियादी प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में सर्वोत्तम कैडेट चुने गए, जिनको मुख्य अतिथि ने ट्राफी व मेडल देकर सम्मानित किया।

इनडोर और आउटडोर का दिया गया प्रशिक्षण–समारोह के पूर्व 75 प्रशिक्षणार्थियों को योग्य अनुदेशकों द्वारा 44 सप्ताह का बुनियादी प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें आउटडोर विषय हथियारों का प्रशिक्षण, खेलकूद तथा इनडोर प्रशिक्षण के विषय जैसे भारतीय संविधान, शासकीय सेवा से संबंधित विभिन्न नियम, मानवाधिकार, सूचना का अधिकार, समाज कल्याण, कानून व्यवस्था, व्यक्तित्व विकास व मानव व्यवहार व कंप्यूटर में प्रशिक्षित किया गया।

सिंधी समाज के बाद वैश्य समाज पंचायत के माध्यम से सुलझाएंगे आपसी विवाद

ग्वालियर। अदालतों पर निरंतर प्रकरणों का बोझ बढ़ रहा है। न्याय के लिए साल दो साल नहीं वर्षों का इंतजार करना पड़ता है। अदालतों के इस बोझ को कम करने के लिए सामाजिक संगठन आगे आ रहे हैं, क्योंकि पारिवारिक विवादों में 95 से 97 प्रतिशत समाधान राजीनामा होता है। अगर सामाजिक स्तर पर पूर्व की पंचायत व्यवस्था के भांति पारिवारिक व सामाजिक विवादों को निपटाने के प्रयास किये जाने पर यह विवाद कोर्ट कचहरी तक पहुंचेंगे ही नहीं तो इससे दोनों पक्षों का समय और पैसा दोनों बचेगा और विवाद के कारण आई कटुता को दूर करने में मदद मिलेगी। वैश्य समाज भी समाज बंधुओं के सामाजिक व आपसी विवाद सुलझाने के लिए रविवार से पंचायत व्यवस्था शुरु कर रहा है। समाज की पंचायत का मूल उद्देश्य पति-पत्नी के बीच झगड़े, समाज बंधुओं के बीच पैसों के लेन-देन व परिवार के बंटवारे के विवाद मिल-बैठकर सुलझाने का प्रयास करेगा। वैश्य फाउंडेशन समाज में यह अनूठी पहल करने जा रहा है। वैश्य फाउंडेशन के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल का कहना है कि हमारा प्रयास दोनों पक्षों के बीच गलतफहमी को दूर कर परिवार को जुड़े रखने का है न किसी पक्ष को सजा देने का है। सिंधी समाज में यह व्यवस्था 42 वर्ष से है। हर माह आठ से दस विवादों का निपटारा सामाजिक स्तर पर किया जाता है।

संयुक्त परिवारों का महत्व अब समझ आने लगा है–पश्चिमी संस्कृति का अनुशरण करने के कारण आज हमारी परिवारिक ईकाइ की कड़ी टूटती सी नजर आ रही है। संयुक्त परिवार में पति-पत्नी व भाइयों के बीच झगड़े घर के बुजुर्ग ही बैठकर सुलझा लेते थे। इन विवादों की आहट घर की चारदीवारी के बाहर सुनाई तक नहीं देती है। यह अलग बात है कि अब पश्चिमी देश संयुक्त परिवार के महत्व को समझ रहे हैं। हमारे यहां भी अभी संयुक्त परिवारों को बचाने के लिए सामाजिक स्तर पर पहल की जा रही है।वैश्य फाउंडेशन रविवार से वैश्य समाज पंचायत व्यवस्था शुरु करने जा रही है, इसका कार्यालय खेड़ापति कालोनी में होगा। इस कार्यालय का शुभांरभ एसपी राजेश चंदेल, समाजसेवी जीडी लड्ढा व चैंबर आफ कामर्स के अध्यक्ष डा. प्रवीण अग्रवाल करेंगे। फाउंडेशन के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने बताया कि कार्यालय आपसी विवादों को सुलझाने के लिए समाज के वरिष्ठजनों की टीम गठित की जायेगी। पंचायत में छोटी-छोटी बातों व गलतफहमी के कारण पति-पत्नी के बीच होने वाले विवाद, बंटवारे, अन्य पारिवारिक विवाद व समाजबंधुओं के बीच आपसी विवाद दोनों पक्षों को सुनने के बाद सुलझाने का प्रयास किया जायेगा। दोनों पक्षों के बीच राजीनामा लिखित में कराया जायेगा। अगर फिर से कोई विवाद शुरु होता है तो यह लिखित राजीनामा दोनों पक्षों के बीच कोर्ट कचहरी में काम आ सकेगा। पंचायत में विवाद को सुलझाने के लिए केवल किसी एक पक्ष को लिखित में आवेदन देना होगा, उसके बाद दूसरे पक्ष को बुलाकर विवाद को सुलझाने की कोशिश की जायेगी।

160 करोड़ के प्रोजेक्ट में जीएसटी की गड़बड़ी, ईओडब्ल्यू ने शुरू की जांच

ग्वालियर । दो दशक से भी लंबे समय से कागजों में चल रहे थाटीपुर पुनर्घनत्वीकरण योजना की धरातल पर समस्याएं खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक तरफ हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी 80 करोड़ रुपए की अटल कुंज टावर परियोजना में जीएसटी लगाना भूल गए, तो वहीं थाटीपुर पुनर्घनत्वीकरण योजना के अंतर्गत 160 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रहे आवासों में जीएसटी की गड़बड़ी का मामला सामने आया है। इस परियोजना के अंतर्गत सरकारी आवास तैयार करने पर ठेकेदार को जीएसटी का भुगतान करना था, लेकिन अंत समय में टेंडर की शर्तों में बदलाव कर ठेकेदार के बजाय बोर्ड पर जीएसटी डाल दी गई। इसके प्रोजेक्ट की लागत बढ़ गई। इस मामले में ईओडब्ल्यू ने जांच शुरू की है।बोर्ड द्वारा दो तरह के कार्य किए जाते हैं। इसमें बोर्ड की स्वयं की परियोजनाएं होती हैं, जिनमें निर्माण कराकर बोर्ड द्वारा संपत्तियों की बिक्री की जाती है। दूसरी परियोजनाएं शासकीय होती हैं, जिनमें बोर्ड को निर्माण एजेंसी बनाया जाता है। शासकीय परियोजनाओं के लिए किए जाने वाले टेंडर में बोर्ड द्वारा शर्त रखी जाती है कि जीएसटी की राशि का भुगतान ठेकेदार द्वारा ही किया जाएगा। ऐसे में इच्छुक कंपनियां इस आधार पर टेंडर में अपना आफर डालती हैं। थाटीपुर पुनर्घनत्वीकरण परियोजना में वर्तमान में जो आवास तैयार हो रहे हैं, वो शासकीय परियोजना के अंतर्गत हैं। ऐसे में ठेकेदार कंपनियों को ही जीएसटी की राशि जमा करनी थी।

टर्मिनेशन का नोटिस मिला तो कराई परेड फिर भी नहीं सुधरीं व्यवस्थाएं

ग्वालियर(नप्र)। स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन तथा नगर निगम के लिए जी का जंजाल बन चुकी स्ट्रीट लाइट व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है। कंपनी द्वारा कई माह बीतने के बाद भी लाइटों में सुधार के लिए जब पर्याप्त अमला नहीं लगाया, तो अधिकारियों ने ठेके के टर्मिनेशन का लैटर जारी कर दिया। ये पत्र मिलते ही आनन-फानन में कर्मचारियों की परेड तो करा दी गई, लेकिन अब भी शहर के प्रमुख मार्ग अंधेरे में डूबे हुए हैं। चेतकपुरी से लेकर थीम रोड तक अंधेरे में नजर आ रही है। इसके चलते अब नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने आगामी मंगलवार को समीक्षा बैठक बुलाई है। इस दौरान सीएम हेल्पलाइन से लेकर पार्षदों तक के फीडबैक पर बात की जाएगी। यदि व्यवस्था नहीं सुधरती, तो पूर्व में दिए गए नोटिस को अमल में लाया जाएगा। स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन ने नोएडा की एचपीएल इलेक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को शहर में स्ट्रीट लाइटों के संचालन एवं संधारण की जिम्मेदारी सौंपी है। कंपनी द्वारा टेंडर की शर्तों का पालन न करते हुए सिर्फ 25 से 30 टीमें ही लाइटों को सुधारने के लिए लगाई गई थीं। ये टीमें नाकाफी साबित हो रही थीं, जिसके कारण शहर के कई इलाकों में अंधेरा पसरा नजर आ रहा था। कंपनी द्वारा सही काम नहीं करने के कारण कार्पोरेशन ने भुगतान पर भी रोक लगा दी थी। इसके बाद भी जब अमला नहीं बढ़ा, तो पिछले दिनों कंपनी को टर्मिनेशन का नोटिस दे दिया गया। ये नोटिस मिलते ही प्रबंधन के हाथ-पैर फूल गए। कंपनी ने तत्काल ही 54 टीमों को बुलाकर परेड कराई, साथ ही एक हाइड्रा भी बढ़ा दी। इसके अलावा कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर ऋषि सेठ भी ग्वालियर आकर अधिकारियों से मिले और व्यवस्थाएं सुधारने का आश्वासन दिया। इसके बावजूद संतोषजनक प्रगति नहीं हुई है। अब भी मुख्य मार्गों पर अंधेरा नजर आ रहा है। ऐसे में कंपनी को सात दिन का समय दिया गया है।

साइलेंट फीडबैक इकट्ठा कर रहा निगम–कंपनी की कार्य प्रगति पर निगरानी रखने के लिए नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने साइलेंट फीडबैक इकट्ठा करने की व्यवस्था की है। इसके तहत सीएम हेल्पलाइन की निराकृत शिकायतों की वास्तविक स्थिति को देखने के साथ ही पार्षदों से भी वार्ड की हालत की जानकारी ली जा रही है। आगामी मंगलवार को होने वाली बैठक में हर शिकायत की बिंदुवार समीक्षा भी करने की तैयारी की जा रही है। यदि स्थिति संतोषजनक नहीं मिलती है, तो फिर सख्त निर्णय लिया जाएगा। हालांकि कार्पोरेशन के अधिकारियों का दावा है कि प्रतिदिन लाइटों के सुधार की संख्या में वृद्धि हुई है।

डेयरी पर गंदगी में बन रहा था मावा, नहीं था रजिस्ट्रेशन, सील

ग्वालियर-आगरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस, 1343 करोड़ बढ़ी लागत डबरा स्थित अमित प्रोवीजन एवं हरी टी स्टाल पुरानी बस स्टैंड रोड से खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता ने दूध, दही एवं पनीर के नमूने लिए। न्यू पंजाब डेयरी स्टेशन रोड पर टीम पहुंची तो यहां टूटे फर्श और गंदगी के बीच मावा बनता हुआ मिला। खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनेश सिंह ने डेयरी से दूध, दही, पनीर और घी के नमूने लिए। न्यू पंजाब डेयरी को सील किया गया। इसके बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता, दिनेश सिंह और साधना सक्सेना की टीम भितरवार पहुंची जहां भितरवार एसडीएम टीएन सिंह के नेतृत्व में तहसीलदार धीरज कुशवाह और नायब तहसीलदार राकेश वर्मा ने धूमेश्वर मिष्ठान भंडार से मिल्क केक एवं बेसन के नमूने लिए। फूड रजिस्ट्रेशन नहीं होने पर जांच दल ने इसे सील कर दिया। मां शीतला डेयरी के मालिक गिर्राज बघेल की मौजूदगी में डेयरी का निरीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी साधना सक्सेना ने दूध, घी एवं दही के नमूने लिए। डेयरी मालिक ने जांच दल को जिला शिवपुरी का फूड रजिस्ट्रेशन बताया जिस पर डेयरी को बिना रजिस्ट्रेशन के चलते पाए जाने पर सील किया गया।यहां भी पहुंची टीमें और लिए नमूने खाद्य सुरक्षा अधिकारी लोकेंद्र सिंह ैर निरूपमा शर्मा ने आंगन रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पनीर एवं रसमलाई के नमूने लिए। इसके बाद होटल रोलेक्स भिंड रोड पर नमूने लिए। जय मां शीतला डेयरी बहोड़ापुर से खाद्य सुरक्षा अधिकारी वंदना जैन ने नमूने लिए। गायत्री डेयरी बहोड़ापुर से खाद्य सुरक्षा अधिकारी सारिका दुबे ने नमूने लिए। अचलनाथ डेयरी बहोड़ापुर से खाद्य सुरक्षा अधिकारी सतीश धाकड़ ने नमूने लिए। महालक्ष्मी डेयरी बहोड़ापुर से खाद्य सुरक्षा अधिकारी बृजेश कुमार शिरोमणि ने नमूने लिए। सिद्धेश्वर डेयरी बहोड़ापुर से खाद्य सुरक्षा अधिकारी गोविंद नारायण सरगैयां ने नमूने लिये। वहीं बहोड़ापुर चौराहे पर दूध ला रहे वाहनों से नमूने लिए।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478